नालंदा में ईंट-पत्थर से कूचकर युवक की हत्या 2

महागठबंधन को नहीं मिल रहा उम्मीदवारः शाहनवाज 3

संघ संस्थापक डॉ. हेडगेवार- भारत की सांस्कृतिक सेना के शिल्पी 4

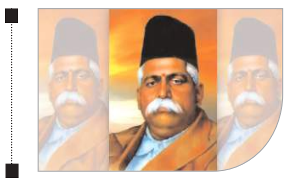

पहली खबर, सबपे नजर

अमृतवर्षा

पटना

वर्ष - 38

अंक - 84

बुधवार, 10 अप्रैल 2024

रजि. नं. पी टी. - 405

पेज - 08

मूल्य - 2.00

website:- www.amritvarshanews.in/e-mail:- amritvarshanews2015@gmail.com

पटना, धनबाद व नई दिल्ली से प्रकाशित

न्यूज फ्लैश

अमित शाह आज औरंगाबाद में

पटना। देश के गृह मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह बुधवार को औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। उनकी सभा गुरारू विधानसभा क्षेत्र में होगी। सभा में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सह सूबे के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी शामिल होंगे। पार्टी नेताओं के अनुसार गृह मंत्री सबसे पहले बंगाल में एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे गया एयरपोर्ट आएंगे। गया से वे हेलिकॉप्टर से गुरारू पहुंचेंगे। दिन के तीन बजे गुरारू में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। एक घंटे के बाद वे गुरारू से गया के लिए रवाना होंगे। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव की तिथि घोषित होने के बाद गृह मंत्री पहली बार बिहार आ रहे हैं। वे पार्टी प्रत्याशी सुशील कुमार सिंह के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे।

हेमा मालिनी पर टिप्पणी केस में सुरजेवाला को चुनाव आयोग का नोटिस

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस के नेता रणदीप सुरजेवाला को बड़ा झटका लगा है. चुनाव आयोग ने उन्हें बीजेपी की नेता हेमा मालिनी के खिलाफ बयान देने के मामले में मंगलवार को नोटिस जारी किया है। नोटिस के तहत कांग्रेस नेता से कहा गया है, आप इस मामले में 11 की शाम पांच तक जवाब दे दें। चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से इस मामले में एक्शन की मांग की है और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि उनके नेता महिलाओं के प्रति सम्मान से पेश आएं। मल्लिकार्जुन खरगे को इस मामले में 11 अप्रैल तक जवाब देना होगा कि उन्होंने इस बाबत क्या कदम उठाए। दरअसल, रणदीप सुरजेवाला तब बीजेपी के निशाने पर आ गए थे, जब पार्टी के आईटी सेल चीफ अमित मालवीय ने एक्स पर एक आपत्तिजनक वीडियो शेयर किया और इस क्लिप में कांग्रेस नेता को हेमा मालिनी के बारे में कुछ आपत्तिजनक टिप्पणी करते देखा गया था।

सूरत में मॉल समेत 52 जगहों को बम से उड़ाने की धमकी

गुजरात। शहर में शाम 4 बजे 52 जगहों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने सेहड़कंप मच गया। इस मेल में वी।आर।मॉल का जिक्र था। सूरत के वाई जंक्शन के पास वीआर मॉल के प्रबंधन ने भी यह मेल मिलते ही तुरंत पुलिस को सूचना दी। साथ ही मॉल में खरीदारी के लिए आए 3000 से ज्यादा लोगों को तुरंत मॉल से बाहर निकाला गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त और अन्य उच्च अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। डॉग स्क्वॉयड और बम निरोधक दस्ते की मदद से मॉल के अंदर और बाहर तलाशी ली गई। लोगों को मॉल में प्रवेश करने से रोकने के लिए पुलिस की ओर से भी सतर्कता बरती गई। पुलिस ने टॉप फ्लोर से लेकर सभी दुकानों में बम निरोधक दस्ते की मदद से जांच की। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के। एन डामोर ने कहा, 'जब हमें सूचना मिली तो हमने तुरंत मॉल खाली करा लिया।

रोहतास में दर्दनाक हादसाः मां, 3 बेटियां, एक बेटा और प्रेग्नेंट ननद समेत 7 जिंदा जले, ट्रांसफॉर्मर से लगी आग

रोहतास में घर में लगी आग से 7 की मौत

सासाराम, अमृतवर्षा संवाददाता

जिले में कच्छवां थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव में मंगलवार दोपहर फूस से बने घर में अचानक आग लग जाने से एक ही परिवार के सात लोग जिंदा जल गए। हादसे में सभी की दर्दनाक मौत हो गई। एक महिला भी बुरी तरह झुलस गई। मरने वालों में पांच बच्चे और दो महिलाएं शामिल हैं, जिनमें से एक महिला गर्भवती बताई जा रही है। सभी लोग भोजपुर जिले के रहने वाले थे और मजदूरी के सिलसिले में इब्राहिमपुर में झोपड़ी बनाकर रह रहे थे। जानकारी के मुताबिक मंगलवार की दोपहर 1.30 बजे देवराज चौधरी के घर में खाना बन रहा था। घर के अन्य सदस्य कामकाज को लेकर बाहर गए थे। घटना के समय घर में दो महिलाएं पुष्पा देवी और उसकी ननद माया देवी और पांच बच्चे थे। बताया जा रहा है कि इस दौरान ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी देवराज की झोपड़ी पर गिर पड़ी और आग लग गई। आग घर के दरवाजे की तरफ लगने के कारण कोई भी सदस्य

बाहर नहीं निकल सका और सभी जिंदा जल गए।

मृतकों में पुष्पा देवी (30 वर्ष) पति देवराज चौधरी के अलावा उनके बेटे-बेटियों में बजरंगी कुमार (6 वर्ष), शिवानी कुमारी (8 वर्ष), काजल कुमारी (4 वर्ष), गुड़िया कुमारी (1 वर्ष) शामिल हैं। सभी भोजपुर जिले में जगदीशपुर थाना इलाके के बड़हर गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। वहीं कांति कुमारी (6 वर्ष) पिता शामा चौधरी ग्राम रामनगर थाना तरारी जिला भोजपुर, व माया देवी (25 वर्ष) पति दीपक चौधरी ग्राम लेमाद्रा थाना विशावदर जिला जूनागढ़ (गुजरात) की भी मौत हो गई। सभी फूस की मड़ई में इब्राहिमपुर पुल के पास रहते थे। मृतका माया देवी सात माह की गर्भवती थी। माया देवी पुष्पा देवी की ननद थी। आग बुझाने के क्रम में गंभीर रूप से जख्मी पड़ोसन राजू देवी पति शामा चौधरी ग्राम रामनगर थाना तरारी जिला भोजपुर का इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना की सूचना पर अग्निशमन टीम मौके पर पहुंची। लेकिन, आग की लपटें इतनी तेज थी कि मड़ई में मौजूद परिवार के सदस्यों को भागने का मौका नहीं मिला। घटना के बाद से मौके पर चीख-पुकार मच गई। थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने बताया कि घटना में सात लोगों की मौत हुई है। वहीं एक महिला घायल हुई है। जिसका इलाज चल रहा है। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना की जांच की जा रही है।

सीएम ने जताया दुख

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार शाम बयान जारी कर रोहतास हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि यह हादसा काफी दुखद था। इसमें मारे गए लोगों के परिजन के प्रति उनकी संवेदना है।

सीवान में ट्रेन से कटकर चार लोगों की मौत

सीवान, अमृतवर्षा सं.। जिले में ट्रेन से कटकर चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। मृतकों में दो बच्चे और दो महिलाएं शामिल हैं। घटना मैरवा रेलवे स्टेशन के पास की है। सभी गेहूं काटकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान रेल पटरी के किनारे चल रहे बच्चे ट्रेन की चपेट में आने लगे। बच्चों को बचाने के क्रम में महिलाएं भी ट्रेन की चपेट में आ गयी हैं। सभी एक ही गांव के बताये जा रहे हैं। पुलिस मौके पर पहुंच गयी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए हैं। एक साथ चार लोगों की मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है।

गेहूं काट कर घर लौट रही थी महिलाएंः प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पूरा मामला सीवान-गोरखपुर रेलखंड पर स्थित मैरवा स्टेशन के समीप स्थित लक्ष्मीपुर की है। दो महिलाएं अपने बच्चों के साथ खेत में गेहूं काटने के लिए गई थी। गेहूं काटने के बाद दोनों महिलाएं बच्चों के साथ खाना खाने के लिए घर लौट रही थी, तभी दोनों बच्चे वहां से गुजर रही ट्रेन की चपेट में आ गए।

बच्चों के बचाने के दौरान मां की हुई मौतः दोनों महिलाओं ने अपने बच्चों को बचाने की कोशिश की, जिसके बाद वे दोनों भी ट्रेन की चपेट में आ गईं। इससे दोनों महिला और दो बच्चों की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। चारों मृतक लक्ष्मीपुर गांव के ही रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया है।

तमिलनाडु में ईडी की चेन्नई समेत 25 ठिकानों पर रेड

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को डीएमके के पूर्व पदाधिकारी जाफर सादिक और अन्य के खिलाफ नशीली दवाओं की तस्करी से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत तमिलनाडु के कई शहरों में छापा मारा है। ईडी के एक अध?िकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के साथ ईडी अधिकारी राज्य की राजधानी चेन्नई, मदुरै और तिरुचिरापल्ली में 25 परिसरों की तलाशी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सादिक, जो तमिल फिल्मों के निमार्ता भी हैं, फिल्म निर्देशक अमीर और कुछ अन्य के परिसरों को कवर किया जा रहा है। सादिक (36 वर्ष) को बीते माह नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कीमत वाली लगभग 3,500 किलोग्राम स्यूडोएफेड्रिन की तस्करी में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया था। ईडी ने सादिक और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज करने के लिए इस एनसीबी मामले और कुछ अन्य एफआईआर का संज्ञान लिया है।

शराब नीति केस में केजरीवाल की गिरफ्तारी सही: हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की गई मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया। इस दौरान, कोर्ट ने सीएम केजरीवाल को लेकर अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा एकत्रित किए गए दस्तावेजों से पता चलता है कि अरविंद केजरीवाल ने साजिश रची थी और अपराध की आय के इस्तेमाल व छिपाने में एक्टिव रूप से शामिल भी थे। वह निजी तौर पर आम आदमी पार्टी के संयोजक के तौर पर भी इसमें शामिल थे। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने केजरीवाल की याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि किसी

ईडी ने कानून का पालन किया, उसके पास हवाला ऑपरेटर्स और आप कैंडिडेट के बयान

को कोई विशेषाधिकार नहीं दिया जा सकता है। जांच में पूछताछ करने से सीएम को छूट नहीं मिल सकती है। हाई कोर्ट ने कहा कि एमएस रेड्डी और शरत रेड्डी ने स्वतंत्र इच्छा से अपना बयान दिया है। यह अदालत ट्रायल कोर्ट की जगह नहीं ले सकती और मिनी ट्रायल नहीं कर सकती है। कोर्ट ने कहा, ''ईडी के पास पर्याप्त सामग्री थी, जिसके कारण उन्हें आरोपियों को गिरफ्तार करना पड़ा। केजरीवाल की वजह से हुई देरी का असर उन लोगों पर भी पड़ा जो हिरासत में थे। केजरीवाल का शामिल न होना एक सहायक फैक्टर था न कि एकमात्र फैक्टर। बेंच ने साफ किया कि यह दलील भी खारिज की जाती है कि अरविंद केजरीवाल से वीसी के जरिए पूछताछ की जा सकती थी। कोर्ट ने कहा, ''जांच कैसे की जानी है, यह तय करना आरोपी का काम नहीं है। आरोपी की सुविधा के अनुसार यह नहीं हो सकता है। याचिका पर फैसला सुनाते समय दिल्ली हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि अप्रूवर का कानून 100 सालों से अधिक पुराना है। यह कोई एक साल पुराना कानून नहीं है, जिससे यह लगे कि इसे याचिकाकर्ता को झूठा फंसाने के लिए बनाया गया था। कोर्ट ने कहा कि इस अदालत की राय है, कई बयानों के बीच, रेड्डी और राघव (अप्रूवर) के बयानों को अविश्वसनीय करार दिया गया है। अदालत का कहना है कि अप्रूवर को क्षमादान देने पर संदेह करना न्यायिक प्रक्रिया पर आक्षेप लगाने जैसा ही है। आदेश सुनाते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि वह अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर विचार नहीं कर रहा है, केवल गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी याचिका पर फैसला कर रहा है। कोर्ट ने कहा कि मुकदमे के दौरान सरकारी गवाहों के बयानों पर निर्णय लिया जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को 'जेड' सिक्योरिटी मिली

नई दिल्ली, एजेंसी

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। खतरे की आशंका को देखते हुए केंद्र सरकार ने यह फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हथियारबंद कमांडो से लैस जेड श्रेणी की वीआईपी सुरक्षा प्रदान करने का फैसला किया है। खुफिया एजेंसियों की ओर से जारी किए गए अलट के बाद यह कदम उठाया गया है। चुनाव आयोग से जुड़े सूत्रों की मानें तो राजीव कुमार के खिलाफ दुश्मन देश साजिश रचने की

आईबी की रिपोर्ट के बाद केंद्र सरकार ने सुरक्षा बढ़ाई, 22 सुरक्षाकर्मियों के घेरे में रहेंगे सीईसी

कोशिश कर रहे हैं। इसके बाद ही उनकी सुरक्षा बढ़ाई गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसके लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को 40-50 कर्मियों की एक टुकड़ी उपलब्ध कराने को कहा है। यह कदम लोकसभा चुनाव के शुरू होने से पहले उठाया गया है। दरअसल, देशभर में सात चरणों में 19 अप्रैल से मतदान शुरू होगा। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों की ओर तैयार की गई रिपोर्ट में सीईसी को खतरा बताया गया और रिपोर्ट में मुख्य चुनाव आयुक्त के लिए कड़ी सुरक्षा की सिफारिश की गई थी। अब सुरक्षा बढ़ाए जाने के बाद देशभर में यात्रा के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा घेरे में रहेंगे। बता दें कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार 1984 बैच के सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी हैं।

चीन एक इंच जमीन पर भी कब्जा नहीं कर सकता: शाह

असम, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में चीन एक इंच जमीन पर भी कब्जा नहीं कर सकता। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने 1962 में चीन के हमले के दौरान असम और अरुणाचल प्रदेश को लगभग खो ही दिया था। असम के लखीमपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, चीन द्वारा किए गए हमले के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा था, ह्यबाय-बाय असम और अरुणाचल प्रदेश। इन राज्यों की जनता इस घटनाक्रम को कभी भूल नहीं सकती। लेकिन अब, चीन हमारी जमीन पर एक इंच भी कब्जा नहीं कर सकता। यहां तक कि दोकलम में भी हमने उन्हें पीछे धकेल दिया। अमित शाह ने कहा कि पूरे देश के विकास में पूर्वोत्तर का विकास केंद्र में है। उन्होंने लोगों से अपील की कि क्षेत्र की सभी सीट पर वे एनडीए के प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करें। केंद्रीय मंत्री ने जनता से आह्वान किया कि वे केंद्र

में भाजपा नीत सरकार का तीसरा कार्यकाल सुनिश्चित करें।

बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ रोकीः अमित शाह ने कहा, भाजपा नीत केंद्र सरकार ने बांग्लादेश से लगती सीमा को सुरक्षित किया और घुसपैठ पर रोक लगाई। असम की बांग्लादेश से लगती सीमा घुसपैठ के लिए खुली थी। तब केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार और यहां हिमंत बिस्व सरमा की सरकार आई। अब हम कह सकते हैं कि घुसपैठ रूक गई है।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों ने असम को धोखा दियाः भाजपा के दिग्गज नेता ने कहा, असम की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों ने राज्य के साथ अन्याय किया। बड़ी संख्या में युवा अलग-अलग हिंसक आंदोलनों और उग्रवाद संबंधी घटनाओं में मारे गए। अमित शाह ने कहा, नरेंद्र मोदी सरकार के 10 साल के शासन में शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। नौ हजार युवाओं ने आत्मसमर्पण किया है। सशस्त्र बल (विशेष अधिकार) अधिनियम राज्य के 80 फीसदी इलाकों से हटा लिया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, उन्होंने (असम) संधि की लेकिन शर्तों को लागू नहीं किया। हमने बोडो संधि पर हस्ताक्षर किए और दो साल के भीतर सभी शर्तें पूरी कर दी गईं।

कांग्रेस के घोषणापत्र की आलोचना कीः कांग्रेस के घोषणापत्र पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने दावा किया कि उसमें मुस्लिम पर्सनल लॉ का समर्थन किया गया है। उन्होंने तुलना करते हुए कहा, हिमंत बिस्व सरमा ने बाल विवाह रोका है। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता है।

बालाघाट में कांग्रेस पर खूब बरसे प्रधानमंत्री

10 साल की फुलझड़ी से हम विकसित भारत का रॉकेट छोड़ने वाले हैं

बालाघाट, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा देश ने बीते 10 सालों में अभूतपूर्व विकास किया है। लेकिन हम यहीं रुकने वाले नहीं हैं। अगली बार सरकार बनाने के बाद देश का विकास रॉकेट की रफ्तार से किया जाएगा। सबका साथ-सबका विकास के मंत्र पर बीजेपी सरकार चली है। हमारी सरकार ने देश के हर शहर को, देश के हर गांव को प्राथमिकता दी है। देश में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकार ने लाखों करोड़ रुपए खर्च किए हैं। मोदी ने कहा अभी आप लोगों ने जो विकास के काम देखे हैं, वह तो एक झलक है। असली विकास की तस्वीर आपको आने वाले सालों में दिखाई देगी।

मोदी या तो महाकाल के सामने झुकता है या जनता के सामनेः जनसभा में भीड़ देखकर उत्साहित पीएम मोदी ने कहा वह

भगवान महाकाल के भक्त हैं। मोदी या तो महाकाल के सामने झुकता है या फिर जनता जनार्दन के सामने। ये हमारी सरकार है, जिसने गोविंद गुरु को स्वतन्त्रता सेनानी का दर्जा दिया। जब देश में पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति के लिए आगे बढ़ी, तो कांग्रेस ने उन्हें हराने के लिए पूरी ताकत लगा दी। कांग्रेस ने कभी आदिवासी विरासत का सम्मान तक नहीं किया। कांग्रेस ने अब आजकल एक इंडी अलायंस बनाकर देश के खिलाफ बिगुल फूंक दिया है। ये लोग आपस में एक-दूसरे से झगड़ते हैं, लेकिन कहते हैं कि मोदी को रोकने के लिए साथ आए हैं।

कांग्रेस के परिवारवाद पर हमलाः पीएम मोदी बोले ''भाजपा सरकार वंचितों को वरीयता देते हुए काम कर रही है। आजादी के बाद दशकों तक कांग्रेस बहुत ही पुरानी सोच पर चली। एक तो उनके मन में आजादी के आंदोलन का अहंकार भरा पड़ा था और जिन्होंने आजादी के आंदोलन में त्याग किया, तपस्या की और बलिदान दिया, उसे सत्ता में आते ही कांग्रेस ने नकार दिया। एक छोटे से परिवार का कुनबा हावी हो गया। कभी कांग्रेस सरकार अपनी शिकायतें लेकर दूसरे देशों के पास जाती रहती थी। लेकिन आज वक्त बदल चुका है, दुनिया के बड़े-बड़े देश, आपस में युद्ध कर रहे देश, भारत से अपने मुद्दों पर बात करने के लिए आते हैं।

'एमपी की आवाज, फिर एक बार मोदी सरकारः पीएम मोदी ने आत्मविश्वास जताते हुए कहा ''4-5 महीने पहले मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव में यहां आप लोगों ने मिलकर कांग्रेस को पूरी तरह साफ कर दिया है। अब लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लोग भाजपा से नहीं लड़ रहे हैं, एक-दूसरे से लड़ रहे हैं। इसलिए टढ के कोने-कोने से आवाज आ रही है- फिर एक बार मोदी सरकार। अपने देश का ये रुतबा देखकर हर हिंदुस्तानी का हौसला बुलंद हो जाता है। भाजपा ने समाज के उस दलित-पिछड़ा-आदिवासी वर्ग को सम्मान दिया है, जिसे पिछली सरकारों ने पहचान से भी वंचित रखा था। हमारी सरकार ने टंट्या मामा को सम्मान दिया। हमारी ही सरकार ने पहली बार भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस की शुरूआत की।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

प्रत्याशियों को हर चल संपत्ति की जानकारी देने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को उनकी हर संपत्ति की जानकारी देना जरूरी नहीं है। कोर्ट ने कहा कि उम्मीदवारों की भी निजता होती है और अगर उनकी कोई संपत्ति का वोटिंग से लेना-देना नहीं है तो इसके बारे में बताना भी जरूरी नहीं है। हालांकि ध्यान रखने की जरूरत है कि वह संपत्ति विलासितापूर्ण ना हो और उसकी कीमत बहुत ज्यादा ना हो। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला 2019 में अरुणाचल प्रदेश विधानसभा में तेजी सीट से निर्दलीय विधायक कारिखो क्रि के चुनाव को बरकरार रखते हुए सुनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उम्मीदवारों और उनके परिवार के सदस्यों को हर चल संपत्ति का ब्यौरा देने की जरूरत नहीं है जबतक कि वह बहुत कीमती या फिर विलासितापूर्ण ना हो। जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने कहा कि गौहाटी हाई कोर्ट का वह फैसला खारिज कर दिया जिसमें कारिखो क्रि के चुनाव को अमान्य करार दे दिया गया था। याचिका में कारिखो क्रि के विरोधी ने दावा किया था कि कारिखो क्री ने चुनाव से पहले अपनी पत्नी के तीन वाहनों की जानकारी नहीं दी थी जिससे चुनाव पर अनुचित प्रभाव पड़ा। वहीं कोर्ट ने कहा कि चुनाव से पहले ही ये वाहन या तो गिफ्ट में दे दिए गए थे या फिर बेच दिए गए थे।

साइकिल सवार अधेड़ की बस से कुचलकर मौत

समस्तीपुर। जिले के पटोरी थाने के चकसलेम गांव के पास मिनी बस से कुचल कर साइकिल सवार अधेड़ की मौत हो गई। मृतक की पहचान थानाक्षेत्र के असरफपुर सुपौल गांव निवासी दिवंगत बालेश्वर साह के बेटे अरविंद साह के रूप में की गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। घटना के बाद परिवार के लोगों के बीच कोहराम मचा है। मृतक के भतीजे अवध किशोर साह ने बताया कि उनके चाचा साइकिल से गैस सिलेंडर लाने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान चकसमेल के पास समस्तीपुर से पटोरी की ओर से आ रही मिनी बस ने उन्हें कुचल डाला, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

अपडेट न्यूज

नालंदा की प्रशिक्षु महिला दारोगा की सड़क दुर्घटना में मौत

नालंदा। जिले में प्रशिक्षु दारोगा की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। जिले के बिहारशरीफ मुख्यालय शहर के झींगनगर निवासी विभूमि पांडेय की दारोगा पुत्री सुरभि पांडेय की मधुबनी में ड्यूटी जाने के दौरान तेज रफ्तार वाहन ने कुचल दिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका रूद्रपुर थाना में प्रशिक्षु दारोगा के पद पर तैनात थीं। दिवंगत

पदाधिकारी का शव पैतृक घर लाया गया। जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों की चीख पुकार गूंजने लगी। जिससे पूरे मोहल्ले में मातमी सन्नाटा पसर गया। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि झंझारपुर के मोहना के समीप रविवार को ड्यूटी के दौरान सड़क हादसा में महिला पदाधिकारी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। जिन्हें मौजूद साथियों द्वारा पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से दारोगा की प्राथमिक उपचार के बाद डीएमसीएच दरभंगा लाया गया। जहां इलाज के दौरान रात को मौत हो गई। जिसके बाद महिला दारोगा की हुई से पूरे पुलिस महकमे में गम का माहौल छा गया। बता दें कि साथी महिला सिपाही को मधुबनी पुलिस लाइन में शव को एसपी डीएसपी सहित विभिन्न पुलिस पदाधिकारियों द्वारा गार्ड ऑफ ओनर दिया गया। फिर उनके शव को परिजनों को सौंप पैतृक घर भेज दिया गया है। नालंदा स्थित पैतृक गांव में शव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों की चीफ पुकार से गांव में मातम पसर गया। मृतका एक भाई व दो बहनों में छोटी थी। 2019 में उन्हें नौकरी लगी थी।

जमालपुर रेल कारखाने में ट्रैक्टर की चपेट में आकर रेलवे कर्मी की मौत

मुंगेर। रेल इंजन कारखाना में रेल कर्मी पर ट्रैक्टर चढ़ गया। इस घटना में रेल कर्मी की मौत हो गई। सरोज चौधरी (57) बीएसएस शॉप में क्लर्क थे। मंगलवार की सुबह रेल कारखाने में स्क्रैप लेकर जा रहे ट्रैक्टर की चपेट में आ गए। जख्मी हालत में उन्हें रेलवे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन रेलवे अस्पताल पहुंचे। बताया जाता है कि सुबह सात बजे ड्यूटी करने के लिए रेलकर्मी जमालपुर कारखाना गए थे। ड्यूटी के दौरान कारखाना में अपनी शॉप से दूसरे शॉप में रेल का पार्ट्स लाने जा रहे थे। तभी रेल कारखाना के अंदर बनी सड़क पर तेज रफ्तार से आ रहे ट्रैक्टर ने उन्हें कुचल दिया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया। घटना की जानकारी लगते ही रेल अधिकारी सीडब्ल्यूम एवं आरपीएफ पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर घटना की जांच में जुटे हुए हैं। मृतक रेलकर्मी नयागांव दांती टोला का रहने वाला है। परिजनों ने बताया कि कार्य के दौरान लोहे का गाटर शरीर पर गिर गया था, जिस कारण वो गिर गए। इसी दौरान तेज रफ्तार आ रहे ट्रैक्टर ने पीछे से धक्का मार दिया। उन्होंने कहा जब पूछा गया किस ठेकेदार का ट्रैक्टर है तो कोई भी अधिकारी कुछ नहीं बोला। उन्होंने कहा कि जमालपुर कारखाना के अधिकारियों की लापरवाही के कारण अक्सर दुर्घटना हो रहे हैं, जिसके कारण कर्मचारी सहित मजदूर जान गंवा चुके हैं, लेकिन कोई भी कार्रवाई नहीं की जा रही है।

गुरपा पुलिस ने चार हत्या अभियुक्तों के घर चिपकाया इस्तेहार

गया। फतेहपुर थाना में दर्ज हत्या के मामले में फरार चार अभियुक्तों के घर पर गुरपा पुलिस ने मंगलवार को ढोल बजाकर इस्तेहार चिपकाया है। कोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है। इसके बाद भी अभियुक्त गिरफ्तार व सरेंडर नहीं करता है तो उसके घरों की कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। गुरपा थानाध्यक्ष राजेश पासवान ने बताया कि गुरपा थाना क्षेत्र के कठौतिया केवाल निवासी हत्या कांड का प्राथमिकी अभियुक्त मुकेश कुमार व कारू यादव दोनों पिता रामबालक यादव, विजय यादव पिता रामप्रसाद यादव उर्फ परमेश्वर यादव और अंजय कुमार पिता जीतन यादव के घर पर पहुंच कर दरवाजे पर इस्तेहार चिपकाया गया है। उन्होंने बताया कि इन सभी के खिलाफ फतेहपुर थाना में मुकदमा दर्ज है। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। लेकिन फरार रहने से आरोपी पकड़ में नहीं आ रहा है। इसके बाद न्यायालय द्वारा निर्गत इस्तेहार को आरोपियों के घर पर चिपकाया गया। उन्होंने कहा कि यदि 30 दिनों के अंदर थाना या न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करता है तो कोर्ट के आदेश पर उसके घर कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

पीतल की मूर्ति के सौदे के लिए जुटे चार तस्कर पकड़े गये

छपरा। रेलवे स्टेशन के समीप चोरी कर लाई गई पीतल की मूर्ति की खरीद-बिक्री के उद्देश्य से इकट्ठा हुए चार तस्करों को मांझी थाना पुलिस ने छापेमारी करके गिरफ्तार कर लिया व उनसे आवश्यक पूछताछ करने के बाद पुलिस ने चारों तस्करों को जेल भेज दिया। गिरफ्तार तस्करों के पास से पुलिस ने भगवान बुद्ध की ग्यारह इंच लम्बी पीतल की मूर्ति व चार मोबाइल जब्त किया है। गिरफ्तार तस्करों ने बताया है कि वे लोग मंदिरों से मूर्ति चुराकर अलकतरा व धूल आदि के सहारे मूर्ति को सैकड़ों वर्ष पुरानी अष्टधातु अथवा सोने की कीमती मूर्ति बताकर भोले-भाले लोगों को पहले अपने झांसे में लेते हैं व बाद में भोले भाले लोगों से मोटी रकम ऐंठ कर वैसे लोगों को बेवकूफ बनाते हैं। तस्करों ने बताया कि यही उनकी आमदनी का जरिया है। मांझी के थानाध्यक्ष अमित कुमार राम के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ चलाए गए गिरफ्तारी अभियान में पकड़े गए तस्करों में दाउदपुर थाना क्षेत्र के नसीरा, कोहड़ा बाजार निवासी जय मंगल सिंह का पुत्र प्रिन्स कुमार व चमरहिया गांव निवासी कामेश्वर राय का पुत्र मनीष कुमार राय के अलावा मशरक थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गाँव निवासी मुकेश कुमार सिंह का पुत्र प्रियांशु कुमार एवम बनसोही गाँव निवासी महेश्वर सिंह का पुत्र गोलू कुमार सिंह शामिल हैं। चार अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी के बाद मूर्ति तस्करों में हड़कंप है।

छोटे भाई की पत्नी से था अफेयरः सड़क किनारे मिला शव, जेब से मिली सेक्स पावर की दवा

नालंदा में ईंट-पत्थर से कूचकर युवक की हत्या

नालंदा, अमृतवर्षा सं.। जिले में मंगलवार की सुबह एक युवक का शव सड़क किनारे मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक का सिर ईंट, पत्थर से कूचा हुआ था। साथ ही पॉकेट से सेक्स पावर बढ़ाने वाली गोली और बाइक की चाबी बरामद हुई है। परिजन का कहना है कि चचेरे भाई की पत्नी से अफेयर था, जिस वजह से उसकी हत्या कर दी गई। मामला हिलसा थाना क्षेत्र के यारपुर गांव के राइस मिल के पास का है। तेल्हाड़ा थाना के नैयमा गांव निवासी मुन्नी चौधरी के (25) वर्षीय पुत्र विपिन कुमार की लाश मिली थी।

विपिन बिना खाने खाए सोने गया था। अगली सुबह उसका शव मिला है। विपिन कुमार की भाभी उषा देवी ने बताया कि रात में देवर विपिन कुमार बिना खाए बगल वाले घर में सोने चले गए। मंगलवार की सुबह पता चला कि उनके देवर की हत्या कर शव को सड़क किनारे फेंक दिया गया है। उन्होंने बताया कि चचेरे भाई की पत्नी से उसका अफेयर चल रहा था। उन लोगों ने ही उनके देवर की हत्या की है। युवक के पॉकेट से सेक्स पावर बढ़ाने वाली दवा भी पुलिस को मिली है। परिजन का आरोप है कि चचेरे भाई की पत्नी ने उसे पैसे के प्रलोभन में फांस रखा था। युवक का सिर ईंट-पत्थर से कूचा हुआ है। पॉकेट से मोटरसाइकिल की चाबी बरामद की गई है, जबकि मोटरसाइकिल घर के पास ही खड़ी है। हत्या किसी और जगह पर करके युवक के शव को यारपुर गांव के राइस मिल के सड़क किनारे फेंक दिया गया है। सुबह जब लोगों की नजर पड़ी तो घटना का खुलासा हुआ। विपिन कुमार गांव में ही कपड़े की दुकान खोल रखा था। वह हर शाम हिलसा बाजार मार्केटिंग के लिए अपनी बाइक से जाता था और मार्केटिंग करने के बाद लौट जाता था। युवक के घर से एक किलोमीटर दूर उसका शव पुलिस के द्वारा बरामद किया गया है। वहीं इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। भाभी का आरोप है कि विपिन का गांव की ही एक युवती के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था।

भागलपुर में पशुपालक की गोली मारकर हत्या

खेत में गई बकरी, तो सीने में मारी तीन गोली, इलाज के दौरान गई जान

भागलपुर, अमृतवर्षा सं.। जिले के पुलिस जिला नवगछिया थाना क्षेत्र के तेतरी गांव में पशुपालक नीरज कुमार यादव (26) को गोली मारकर अपराधियों ने हत्या कर दी। अपराधियों ने नीरज के सीने में गोली मारी है। जिससे कि वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पड़ोसी ने उसे इलाज के लिए स्थानीय रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि किया के ही टिंकू सिंह के खेत में बकरी जाने को लेकर सोमवार को विवाद हुआ था। इस विवाद में नीरज की गोली मारकर हत्या की गई होगी। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने पशुपालक को सोये अवस्था में सीने में गोली मारी जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों को गुरुवार की सुबह करीब 05:30 बजे घटना की जानकारी मिली। इसके बाद परिजनों ने घटना की जानकारी नदी थाना की पुलिस को दी। हालांकि घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी टिंकू सिंह को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि अपराधियों ने नीरज कुमार यादव को तब गोली मारी, जब वह पशु को खाना दे रहे थे। लोगों ने घायल अवस्था में नीरज को नवगछिया रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर उसका इलाज के दौरान मौत हो गई। इधर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नवगछिया अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है।

हाजीपुर में लूट की बाइक के साथ चार लुटेरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हाजीपुर, अमृतवर्षा सं.

जिले के नगर थाना क्षेत्र एवं गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र में बीते दिनों हुए 4 लूट की घटना में शामिल चार अपराधियों गिरफ्तार किया गया है। अपराधी के पास से पुलिस ने तीन बाइक चार मोबाइल बरामद किया है। इसकी जानकारी वैशाली एसपी हर किशोर राय ने अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस कांफ्रेंस कर दी। एसपी ने बताया कि नगर एवं गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र में लूट की चार घटनाओं में शामिल 4 अपराधी को मोबाइल और बाइक के साथ गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार किए गए अपराधी नगर थाना के नखाश चौक निवासी मयंक कुमार उर्फ मयंक निषाद, रोहित कुमार ठाकुर उर्फ सन्नी, वैशाली थाना क्षेत्र के विशुनपुर पलटू निवासी सतीश कुमार एवं विक्की कुमार बताया गया है। एसपी ने बताया कि उक्त अपराधी जढुआ में एक पेट्रोल पंप लूटने की योजना बना रहा था। पेट्रोल पंप लूट करने के लिए पहले लोगों से मोटरसाइकिल लूट रहा था। उन्होंने बताया कि बीते 14 मार्च को नगर थाना क्षेत्र के पुरानी गंडक पुल रोड एवं 6 अप्रैल को कोनहारा घाट रोड में जढुआ पेट्रोल पंप के पास एवं 8 अप्रैल को राजेन्द्र चौक के पास मोटरसाइकिल लूट की घटना प्रतिवेदित हुई थी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ओमप्रकाश के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में शामिल नगर थाना पुलिस एवं जिला आसूचना इकाई के द्वारा मानवीय आसूचना एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त घटना में शामिल 4 अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। पुछताछ के क्रम में उक्त घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया है। बरामद किया गया है। गिरफ्तार किए गए बदमाश रोहित कुमार ठाकुर का अपराधिक इतिहास है।

सारण पुलिस ने तीन युवकों को किया गिरफ्तार

छपरा। अवैध हथियार लहरा कर समाज में लोगों के बीच दहशत पैदा करने की कोशिश करने के मामले में भगवान बाजार थाना पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान सारण जिले के भगवान बाजार थाना क्षेत्र के रामलीला मठिया मोहल्ला निवासी पियूष कुमार पिता विजय सिंह व बनियापुर थाना क्षेत्र के प्यारेपुर गांव निवासी विकास कुमार पिता नागेंद्र राय एवं सिवान जिले के महादेवा थाना क्षेत्र अंतर्गत बिंदुसार बुजुर्ग निवासी अमन कुमार पिता मंजीत शर्मा के रूप में की गई है। जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक डा. गौरव मंगला ने बताया कि भगवान बाजार थानाध्यक्ष को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो क्लिप प्राप्त हुआ, जिसमें तीन युवक हाथ में अवैध हथियार लेकर अलग अलग अंदाज में प्रदर्शन कर रहे हैं। जांच एवं सत्यापन के बाद तीनों को गिरफ्तार किया गया।

बीजेपी के तत्कालीन उपाध्यक्ष विशेश्वर ओझा हत्याकांड में 7 दोषी

आरा, अमृतवर्षा सं.। भाजपा के तत्कालीन प्रदेश उपाध्यक्ष विशेश्वर ओझा की हत्या में आरा सिविल कोर्ट के एडीजे -आठ नीरज किशोर ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान साक्ष्य पाए जाने पर सात आरोपितों को दोषी पाया। जबकि साक्ष्य के अभाव में छह आरोपितों को बरी कर दिया गया। सजा के बिंदु पर 16 अप्रैल को फैसला आएगा। जिन आरोपितों को दोषी पाया गया है, उसमें ब्रजेश मिश्रा, हरेश मिश्रा, पप्पू सिंह, हरेंद्र सिंह, बसंत मिश्रा, उमाकांत मिश्रा और टुन्नी मिश्रा शामिल हैं। इसमें ब्रजेश मिश्रा और हरेश मिश्रा दोनों सगे भाई हैं। पहले से ही जेल में बंद हैं। इधर, फैसले के बाद काफी गहमागहमी देखी गई। 12 फरवरी 2016 की देर शाम ओझवलिया गांव निवासी भाजपा के तत्कालीन प्रदेश उपाध्यक्ष

अपराधियों ने गोलियों से किया था छलनी, 16 को सजा के बिंदु पर होगी सुनवाई

विशेश्वर ओझा एक शादी-समारोह में भाग लेने के लिए सोनवर्षा गांव गए हुए थे कि इसी दौरान लगभग दस-बारह की संख्या में रहे हथियारबंद अपराधियों ने गोलियों से छलनी कर ओझा की हत्या कर दी थी। हमले में विशेश्वर समर्थक एक मुखिया घायल हो गए थे। इस घटना के बाद हथियारबंद अपराधी गंगा नदी पार कर भाग निकले थे। घटनास्थल पर खोखा भी मिला था। इधर, हत्या की इस घटना को लेकर मृत भाजपा नेता के भतीजा राजनाथ ओझा के बयान पर केस दर्ज कराया गया था। जिसमें कारनामेपुर ओपी के सोनवर्षा गांव के हरेश मिश्रा व ब्रजेश मिश्रा, उमाकांत मिश्रा, टुन्ना मिश्रा, बसंत मिश्रा समेत सात को नामजद आरोपी बनाया गया था। मालूम हो कि शाहपुर थाना क्षेत्र के करनामेपुर अंतर्गत सोनवर्षा गांव में 28 सितंबर 2018 को अहले सुबह भाजपा नेता की हत्या के गवाह कमल किशोर मिश्रा को उनके घर के समीप ही पशुओं का चारा लाते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके पश्चात कमल किशोर मिश्र के पिता श्रीमन नारायण मिश्र द्वारा गांव के ही पांच लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

भागलपुर में शराब तस्करी मामले में युवक को सुनाई गई 6 साल की सजा

भागलपुर, अमृतवर्षा सं.। बिहार मद्य निषेध उत्पाद अधिनियम के तहत विशेष न्यायाधीश उत्पाद 2 ने शराब तस्करी मामले में मुकदमे की सुनवाई करते हुए भागलपुर के गौतम कुमार राम को 6 साल की सजा सुनाई है। साथ ही उनपर 1 लाख का जुर्माना भी लगाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, भागलपुर में पूर्ण शराबबंदी को लेकर माननीय न्यायालय द्वारा ठोस कदम उठाया गया है। न्यायालय द्वारा सख्त कार्रवाई करते हुए बिहार मद्य निषेध उत्पाद अधिनियम के तहत एक युवक को 6 साल की सजा सुनाई गई है। बता दें कि बिहार मद्य निषेध उत्पाद अधिनियम के तहत विशेष न्यायाधीश ने शराब तस्करी करने के मामले में उक्त मुकदमे की सुनवाई पूरी करते हुए अभियुक्त गौतम कुमार राम को दोषी पाया था। वहीं, इस मामले को लेकर आज अप्रैल को सजा के बिंदु पर सुनवाई की गई, जिसमें गौतम कुमार राम को धारा 30(ए) बिहार मद्य निषेध एवं

उत्पाद अधिनियम 2016 में 6 वर्ष की सजा के साथ-साथ एक लाख रुपए जुर्माना और जुर्माने की राशि नहीं देने की स्थिति में 3 महीने की अतिरिक्त सजा सुनाई गई है। यह पूरा मामला 12 अप्रैल 2020 का है। जब पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि हनुमान नगर में एक व्यक्ति मोटरसाईकिल से शराब लेकर आने वाला है। पुलिस ने जब तुरंत छापेमारी की तो सुनील चौधरी के घर के सामने हथियानाला के पास पुलिस वाहन को देख एक व्यक्ति बाइक घुमाकर भागने का प्रयास करने लगा और गिर गया। इसके बाद पुलिस वहां पहुंची और उसकी तलाशी ली गई।

अरवल में ट्रक पर लोड 870 कार्टन विदेशी शराब बरामद

अरवल। जिले के कलेर थाने के पुलिस ने एक ट्रक से 870 कार्टून विदेशी शराब बरामद किया है। वहीं ट्रक चालक को मौके से गिरफ्तार किया है। लोकसभा चुनाव को लेकर मद्य निषेध नीति को प्रभावी तरीके से लागू करने हेतु अरवल जिले के प्रत्येक थाना द्वारा विशेष वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में एसपी राजेंद्र कुमार भील के निर्देश पर डीएसपी कृति कमल के नेतृत्व में कलेर थाना अध्यक्ष अविनाश कुमार एवं सशस्त्र बल द्वारा एन एच 139 कलेर पुल के पास विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। जिसमें एक ट्रक से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की गई है। इस संबंध में प्रेस वार्ता कर डीएसपी कृति कमल ने बताया की एन एच 139 कलेर पुल के समीप कलेर पुलिस के द्वारा विशेष वाहन जांच चलाया जा रहा था।

दहेज हत्या में पति को 7 वर्ष की कारावास की सजा

गोपालगंज। एडीजे 3 प्रणव कुमार झा की कोर्ट ने ढाई साल पुराने दहेज हत्या के मामले में पति को दोषी पाते हुए 7 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। सजा सुनाने के बाद दोषी को मंडल कारा चनावे भेज दिया गया। बताया जाता है कि दरभंगा जिले के बहेरा थाने के अटोर गांव के शंकर ठाकुर की पुत्री बबली पाठक की शादी अधिवक्ता नगर गोपालगंज के विश्वनाथ पाठक के पुत्र राजीव रंजन पाठक के साथ 23 मई 2019 को हुई थी। शादी के बाद से ही उसे दहेज के बाकी एक लाख रुपए के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। इस दौरान उसके करीब चार लाख रुपए के जेवर को ससुराल वालों ने बेच दिया।

भोजपुर में फर्जी दारोगा गिरफ्तार

भोजपुर, अमृतवर्षा सं.। जिले के बड़हरा थाना इलाके के कोहरामपुर के पास से पुलिस ने एक फर्जी दारोगा को गिरफ्तार किया है। वो बालू लदे ट्रक ड्राइवर्स से अवैध वसूली करता था। असली पुलिस वालों को देखकर उन्हें धमकाता भी था। साथ ही उनका ऑडियो, वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पुलिस अधिकारियों को भी धमकाया करता था। पुलिस को कई दिनों से इसकी शिकायत मिल रही थी। मिली जानकारी के अनुसार, बीती रात फर्जी दरोगा का सामना असली पुलिस वालों से हो गया। पुलिस ने जब फर्जी दारोगा से थाना और बैच संख्या के बारे में पूछताछ की तो साहब आसमान देखने लगे। जिसके बाद भोजपुर पुलिस ने तुरंत उसे हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार फर्जी दारोगा की पहचान छपरा (सारण) जिला के एकमा थाना क्षेत्र

अंतर्गत माने गांव के निवासी अनिल कुमार का पुत्र अभिनय कुमार के रूप में की गई है। पुलिस ने फर्जी दारोगा के पास से 1700 रुपए नगद, टाटा नेक्सन कार (पुलिस का लोगो लगा हुआ), दो मोबाइल, आधार कार्ड, दरोगा का फुल वर्दी, वर्दी में लगे नेमप्लेट, दो-दो स्टार, पुलिस बेल्ट, ब्लू रंग का टोपी, बिहार पुलिस का लगा बैच, पुलिस वाला लाल रंग का जूता बरामद किया है। अभिनय कुमार ने बताया कि वह यह काम पिछले पांच से छह महीनों से कर रहा है। अपना तेज पूरा तरह मजबूत कर वह ट्रक ड्राइवर और पुलिस प्रशासन पर भी अपना दबदबा बनाता रहता था।

जदयू के पूर्व विधायक बोगो सिंह के चालक की डेडबॉडी बरामद, इलाके में मची सनसनी

बेगूसराय, अमृतवर्षा सं.। जिले में जेडीयू के पूर्व विधायक बोगो सिंह के घर काम करने वाले चालक की डेडबॉडी बरामद होने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गयी है। चालक का शव पेड़ से लटका मिला है। वहीं, परिजनों ने हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। दरअसल, मंगलवार को मुफस्सिल थाना क्षेत्र कैथमा ढाला के पास स्थित एक बगीचे में लीची पेड़ से लटका चालक का शव बरामद किया गया जबकि उसकी बाइक बगीचे के बाहर खड़ी थी। मृतक की पहचान नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-45 छोटी एघु निवासी राम प्रकाश सिंह उर्फ मांगो सिंह के 27 वर्षीय पुत्र राजू कुमार सिंह के रूप में की गई है। मृतक राजू कुमार सिंह मटिहानी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक बोगो सिंह का ड्राइवर था। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना अध्यक्ष फैजल अहमद अंसारी दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पेड़ से उतार कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से करीब 50 मीटर दूर मृतक की बाइक, एक जोड़ी हवाई चप्पल और टोपी बरामद किया गया है। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि लीची के पेड़ से लाल रंग की प्लास्टिक की रस्सी से लटके शव की हालत और घटनास्थल के आसपास की स्थिति को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि पेड़ से करीब 50 मीटर दूर राजू कुमार सिंह की गला दबाकर हत्या कर दी गई है। उसके बाद शव को बगीचे में घसीट कर लाया गया और लीची के पेड़ से लटका दिया गया है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि राजू कुमार बोगो सिंह के यहां ड्राइवर की नौकरी करता था और उसके पुत्र की गाड़ी चलाता था। कल भी वह ड्यूटी पर नहीं गया था और आज सुबह करीब 10 बजे अपनी पत्नी को खाना बनाने की बात कह घर से निकला था। काफी देर बाद भी वापस नहीं आने पर पत्नी ने फोन किया तो फोन रिसीव नहीं हुआ। दोपहर में जब कुछ महिलाएं गेहूं की कटनी कर खेत से वापस लौट रही थीं तो लीची के पेड़ में शव लटका देखा। उसके बाद गांव जाकर ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी। जानकारी मिलते ही घटनास्थल से करीब 500 मीटर दूर स्थित राजू के मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे तो उसकी पहचान हुई।

पोखर में नहलाने गयी दो सगी बहनों की डूबने से हुई मौत

मुजफ्फरपुर। जिले के बरूराज थाना क्षेत्र के सिसवा गांव का है। जहाँ आज दो सगी बहन अपने भैंस को लेकर पोखर में नहाने पहुंची। इसी दौरान दोनो बहन पोखर के गहरे पानी में चली गई। जिससे दोनो बहन की मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों द्वारा तत्काल पोखर में में डूबे बहनों को निकालने का प्रयास किया गया। लेकीन तब तक दोनो बहन की मौत हो गई थी। वही मामले की सूचना प्राप्त होते ही बरुराज थाना की पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की जांच कर दोनो डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में बरुराज थाना प्रभारी संजीव दुबे ने बताया कि थाना क्षेत्र के सिसवा गांव में स्थित एक पोखर में भैंस को नहलाने गई बरुराज थाना क्षेत्र के सिसवा निवासी संजय ठाकुर की दोनो बेटी की पोखर में डूबने से मौत हो गई है।

सम्राट चौधरी पर रोहिणी का पलटवार, कहा

क्रिकेट खेलने वाले तेजस्वी ने आज मोदी को पानी पिला रखा है

सारण, अमृतवर्षा सं.। बिहार में लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा हाई है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। एक ओर जहां सभी राजनीतिक पार्टियां रैली और दौरे कर ही है। वहीं दूसरी ओर एक दूसरे को घेर भी रही है। इसी कड़ी में सारण से राजद प्रत्याशी और लालू यादव की लाडली रोहिणी आचार्य ने बीजेपी और सम्राट चौधरी पर जोरदार निशाना साधा है। रोहिणी आचार्य ने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को फ्रॉड, फर्जी और फेंकू बताया है। साथ ही उन्होंने कहा कि, तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी को ऐसा पानी पिलाया है कि उनको बार बार बिहार आना पड़ रहा है। रोहिणी आचार्य मंगलवार को सारण के लिए चुनाव प्रसार करने के लिए निकल रही थी। इस दौरान

उन्होंने बीजेपी और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी पर जोरदार निशाना साधा है। रोहिणी ने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, सारण की जनता उन्हें शक्ति दुर्गा की तरह मान रही है। सारण की जनता उनको प्यार दे रही है। उन्होंने कहा कि कड़ी धूप में भी बहन-बेटी उनके स्वागत के लिए खड़ी रहती है। जनता से उन्होंने अपील की कि उन्हें प्यार दें साथ ही विश्वास दिलाया कि वह जनता की सेवा करेंगी। वहीं डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के पानी पिलाने वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि, वह क्या बोलेंगे फ्राड, फेंकू और फर्जी डिग्री वाले। पानी तो तेजस्वी यादव ने ऐसा पिलाया है कि पीएम मोदी को बार बार बिहार आना पड़ रहा है। और लालू परिवार को घेरना पड़ रहा है। वहीं रोहिणी आचार्य ने जंगलराज को लेकर कहा कि, इनके राज में भ्रष्टाचारियों और बलात्कारियों को पनाह दे रहे हैं। बालिका हत्याकांड किसके राज में हुआ। यह क्यों नहीं बताते हैं। सारण में रोहिणी आचार्य का मुकाबला बीजेपी के राजीव प्रताप रूडी से है। जिसको लेकर जब सवाल पूछा गया तो रोहिणी आचार्य ने कहा कि, बीजेपी को जितनी ताकत लगाती है लगाने दीजिए। ईडी, सीबीआई सभी जांच एजेंसियों की ताकत लगा ले।

मसौढ़ी में संपति के विवाद में दुकान में आग लगाने का आरोप

पटना। राजधानी के मसौढ़ी थाना क्षेत्र में एक महिला ने दुकान में आग लगाने के आरोप में अपने सास व देवर के खिलाफ मामला दर्ज कराई है।थाना क्षेत्र के यादवेश मार्केट निवासी राजीव रंजन की पत्नी संगीता कुमारी ने जिसमें ने बताया कि मेरे पति का यादवेश मार्केट में दुल्हन वस्त्रालय के नाम से दुकान है। जिसमें मेरे देवर प्रेम रंजन उर्फ कृष्ण रंजन व सास सावित्री देवी के द्वारत संपति बटवारा के विवाद को लेकर मेरे दुकान में आग लगाने का प्रयास किया गया। उसके पूर्व में भी उन्होंने मेरे दुकान में आग लगाने का प्रयास किया था, दुकान में आग लगाने की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद है।

छुट्टी को लेकर घमासान: 11 और 17 अप्रैल को छुट्टी, 14 और 21 तारीख को होगा प्रशिक्षण; शिक्षा विभाग का नया आदेश

ईद-रामनवमी पर शिक्षकों की नहीं होगी ट्रेनिंग

पटना, अमृतवर्षा ब्यूरो

बिहार के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की ट्रेनिंग को लेकर बिहार के सियासत में भारी बवाल मचा हुआ है। बता दे की एससीईआरटी सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के लिए ट्रेनिंग का कार्यक्रम चलवा रही है जिसकी जिम्मेदारी शिक्षा विभाग के हाथों में सौंप गई है। वहीं शिक्षा विभाग के मुख्य सचिव केके पाठक के द्वारा यह कहा गया था कि ईद और रामनवमी पर भी शिक्षकों की ट्रेनिंग जारी रहेगी और उन्हें छुट्टी नहीं मिलेगी। हालांकि सोमवार को मुख्यमंत्री सचिवालय की तरफ से एक पत्र जारी किया गया जिसमें यह कहा गया था कि शिक्षकों को रामनवमी और ईद पर छुट्टी मिलेगी उनकी ट्रेनिंग नहीं होगी लेकिन मंगलवार को फिर शिक्षा विभाग ने मुख्यमंत्री सचिवालय के लेटर को फर्जी बताते हुए कहा कि शिक्षा विभाग की ओर से ऐसा कोई लेटर जारी नहीं किया गया है और

शिक्षकों की ट्रेनिंग उनके तय समय पर जारी रहेगी। इसी विवाद को देखते हुए मंगलवार को एससीईआरटी ने एक नया पत्र जारी किया जिसमें यह कहा गया कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की ट्रेनिंग का कार्य ईद और रामनवमी के दिन स्थगित रहेगा। विभाग की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि 11 अप्रैल को ईद के मौके पर और 17 अप्रैल को रामनवमी के मौके पर राजपत्रित अवकाश घोषित है, जिसके कारण प्रशिक्षण स्थगित रहेगा। पत्र में बताया गया कि 11 अप्रैल का प्रशिक्षण 14 अप्रैल को और 17 अप्रैल का प्रशिक्षण 21 अप्रैल को संचालित होगा। वही यह भी कहा गया हैं की उक्त घोषित अवकाश के दिन प्रशिक्षण स्थगित रहेगा। प्रशिक्षण पुनः अगले दिन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित होगी तथा प्रशिक्षण में सम्मिलित नहीं होने वाले प्रशिक्षुओं पर उचित कार्रवाई की जाएगी। प्रशिक्षण कार्य पूर्ण करने के उद्देश्य से दिनांक 11 अप्रैल, 2024 का प्रशिक्षण 14 अप्रैल, 2024 को एवं 17 अप्रैल, 2024 का प्रशिक्षण 21 अप्रैल, 2024 को संचालित होगा। इसे अति आवश्यक समझें।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अगर शिक्षक प्रशिक्षण में सम्मिलित नहीं होते हैं, तो वैसे प्रशिक्षुओं पर उचित कारवाई की जाएगी। इससे पहले शिक्षा विभाग ने प्रेस नोट जारी कर प्रशिक्षण कार्यक्रम बंद नहीं करने की बात कही थी, लेकिन प्रशिक्षण करने वाली संस्था ने प्रशिक्षण कार्य स्थगित रहने का पत्र जारी कर दिया है। बता दें कि कुछ देर पहले सोशल मीडिया पर एक पत्र वायरल हो रहा था, जिसमें ईद और रामनवमी पर छुट्टी की बात कही गई थी। इसको लेकर माध्यमिक शिक्षा निदेशक कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव ने सपष्टीकरण देते हुए बताया था कि सोशल मीडिया पर प्रसारित खबर पूरी तरीके से फर्जी है। जिसके कुछ देर बाद ही एससीईआरटी ने पत्र जारी कर ईद और रामनवमी पर प्रशिक्षण के दिन छुट्टी दे दी है।

गौरतलब है कि शिक्षा विभाग की ओर से चरणवार तरीके से 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्य चल रहा है। एससीईआरटी की ओर से 6 लाख शिक्षकों को शिक्षा के नवाचारों से प्रशिक्षित किया जा रहा है। ट्रेनिंग सेंटर की संख्या को देखते हुए एक बैच में लगभग 19000 शिक्षक हैं। विरोध के बावजूद रंगों के त्योहार होली और गुड फ्राइडे पर यह प्रशिक्षण जारी था। शिक्षा विभाग ने ईद और रामनवमी पर भी प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी रखा था, लेकिन अब छुट्टी दे दी गई है।

ईद पर शिक्षकों और कर्मचारियों को नहीं मिलेगा वेतन और पेंशन

पटना, अमृतवर्षा सं.। बिहार के हजारों कर्मचारियों और रिटायर्ड कर्मियों के घर ईद के दिन खुशियां नहीं मनाई जायेगी। कर्मचारियों को ईद के मौके पर वेतन नसीब नहीं होगा। पेंशन के सहारे जी रहे रिटायर्ड कर्मचारियों-अधिकारियों को पेंशन नहीं मिलेगा। ऐसे इसलिए नहीं हो रहा है कि ये सब कसूरवार हैं, कार्यरत कर्मचारियों-अधिकारियों के साथ साथ पेंशनरों की कोई गलती नहीं है, लेकिन सजा उन्हें ही भुगतनी पड़ रही है। ये हाल है बिहार के यूनिवर्सिटी और कॉलेज में काम कर रहे शिक्षकों और कर्मचारियों का। उन्हें ईद के मौके पर भी वेतन नहीं मिलेगा। पेंशन के पैसे से जी रहे रिटार्यड कर्मचारियों और शिक्षकों को भी पेंशन नहीं मिलेगा। कई महीने से वेतन और पेंशन रूका है। लेकिन चूंकि केके पाठक जी नाराज हैं, इसलिए ना वेतन मिलेगा और ना पेंशन। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने विश्वविद्यालयों का खाता फ्रीज करा दिया है। बैंकों को पत्र लिख कर सारे यूनिवर्सिटी का अकाउंट फ्रीज करा दिया गया है। दिलचस्प बात ये है कि राज्य सरकार की ओर से यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में काम करने वाले कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए फरवरी महीने का वेतन तो भेजा गया है। लेकिन सरकार ने ही खाता फ्रीज करा रखा है। लिहाजा यूनिवर्सिटी का खाता फ्रीज होने के कारण इसे कर्मचारियों और शिक्षकों के बीच बांटा नहीं जा सकता।

महागठबंधन को नहीं मिल रहा उम्मीदवार: शाहनवाज

पटना, अमृतवर्षा सं.। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता पूर्व मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा है कि बिहार में महागठबंधन को उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं। मंगलवार को वीडियो बयान जारी कर शाहनवाज ने कहा कि एनडीए ने उम्मीदवार घोषित कर दिए। प्रधानमंत्री का दो चुनावी दौरा हो चुका है। हम सब कैम्पेन में पूरी ताकत से लग गए। हमारे उम्मीदवार गांव-गांव जा रहे हैं। लेकिन महागठबंधन को उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं। लगता है उनको विज्ञापन देना पड़ेगा। वे इधर-इधर से नेता ला रहे हैं। शाहनवाज ने कहा कि महागठबंधन के लोग उम्मीदवार मांग रहे हैं। कांग्रेस को नौ सीटें मिली है जिसमें से मात्र तीन ही उम्मीदवार घोषित किए गए हैं। वीआईपी

को तीन सीटें मिली तो वह भी उम्मीदवार घोषित नहीं कर सका है। राजद ने भी अब तक अपने सभी उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं। चूंकि सबको मालूम है कि जीत एनडीए की ही होगी। जीतेंगे मोदी ही। इसलिए महागठबंधन के भीतर कोई लड़ने को तैयार नहीं है। विपक्षी गठबंधन से कोई लड़ना ही नहीं चाह रहा है। उन्होंने कहा कि जनता तय कर चुकी है कि बिहार की सभी 40 सीटों पर एनडीए की ही जीत होगी।

बाइक सवार दो लुटेरों ने छीना रुपयों से भरा थैला

पटना। मसौढ़ी मे मंगलवार की दोपहर लगभग दो बजे मणिचक रोड में बाइक सवार दो बदमाश पैदल जा रहे एक वृद्ध का थैला छीनकर भाग गए। थैले में ढाई लाख रुपये रखे हुए थे।जानकारी के मुताबिक वृद्ध व्यक्ति बैंक से पैसा निकालकर कर घर जा रहा था, उसी समय मणिचक मोड़ से दस गज की दूरी पर बाइक सवार अज्ञात बादमशो ने हाथ से थैला छीनकर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी खंगाला। इस मामले में थानाध्यक्ष विजय कुमार यादेवेंदु ने कहा कि पीड़ित द्वारा अभितक कोई लिखित आवेदन नही दिया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लुटेरों की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

बीजेपी मोहन को सीएम बनाकर यादवों को सम्मान दिया, लालू केवल परिवार को आगे बढ़ा रहे: रविशंकर

पटना, अमृतवर्षा सं.। पटना साहिब से एनडीए के उम्मीदवार रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को लालू प्रसाद पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने परिवारवाद को लेकर लालू पर निशाना साधा। वहीं, एमपी के मुख्यमंत्री मोहन यादव का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि एमपी में पार्टी ने मोहन यादव जैसे कार्यकर्ता को सीएम बना दिया, लेकिन लालू यादव राजद में सिर्फ परिवार के सदस्यों को बढ़ावा देते हैं। उनके लिए तेजस्वी, तेजप्रताप, मीसा ही सब कुछ हैं। वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि पटना साहिब सीट पर विपक्ष का उम्मीदवार खोज रहा हूं, लेकिन कोई मिल ही नहीं रहा है। रविशंकर प्रसाद ने यह भी कहा कि

लालू प्रसाद का सामाजिक न्याय दिखावा है। सवाल पूछते हुए कहा कि ईमानदारी से बताइएगा तेजस्वी जी, आपकी सरकार दिल्ली में बनेगी क्या? ईमानदारी से बोलिएगा, आपका प्रधानमंत्री कौन है? सरकार बनने वाली है या नहीं, प्रधानमंत्री का उम्मीदवार का पता है ही नहीं। राम मंदिर के सवाल के जवाब में रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह अच्छी बात है कि उनको सद्बुद्धि आई। प्रभु श्रीराम के दरबार में वह जरूर जाएं। राम तो सबके हैं। लेकिन प्रभु राम यह भी समझते हैं कि श्रीराम की ईमानदारी से भक्ति कौन करता है। चुनावी भक्ति कौन करता है।

चुनाव होने तक राजद बिखर जाएगा : राजीव

पटना। भाजपा राजनीतिक प्रतिपुष्टि एवं प्रतिक्रिया विभाग के प्रदेश संयोजक राजीव रंजन ने दावा किया है कि चुनाव के अंतिम चरण आते-आते राजद पूरी तरह बिखर जाएगा। मंगलवार को जारी बयान में भाजपा नेता ने कहा कि राजद के अधिकतर विधायक और कार्यकर्ता पार्टी छोड़कर अपनी-अपनी जगह तलाशने में लग गए हैं।

पालीगंज पुलिस ने किया एक कट्टा के साथ दो युवकों को गिरफ्तार

पालीगंज। मंगलवार को थाना क्षेत्र के खपुरा गांव से दो युवकों को पुलिस ने एक कट्टा व एक कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार मंगलवार को पालीगंज थाना क्षेत्र के खपुरा गांव के ग्रामीणों ने पालीगंज पालीगंज पुलिस को सूचना दिया कि गांव में कुछ संदिग्ध युवक किसी घटना को अंजाम देने की नीयत से घूम रहे है। सूचना पाकर पालीगंज पुलिस खपुरा गांव पहुंची। जहां पुलिस को देखते ही कुछ संदिग्ध युवक भाग निकला। वही दो संदिग्ध युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिसके पास से एक देसी कट्टा व एक जिंदा कारतूस भी बरामद हुई है। गिरफ्तार युवकों की पहचान खिरीमोड थाना क्षेत्र के बारेमा गांव निवासी सुदामा यादव के 19 वर्षीय पुत्र रौशन कुमार तथा पालीगंज थाना क्षेत्र के परियो गांव निवासी आसुदेव यादव के 16 वर्षीय पुत्र अभिराज यादव के रूप में हुआ है। इस सम्बंध में पालीगंज पुलिस ने बताया कि खपुरा गांव के भी एक युवक को पूछ ताछ के लिए थाने लाई गयी है।

एनडीए में सब कुछ साफ, सभी 40 सीटों पर होगी जीत: चिराग

पटना, अमृतवर्षा सं.। बिहार में लोकसभा चुनाव के पहले चरण का चुनाव 19 अप्रैल को मतदान होना है। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के सांसद चिराग पासवान आज मंगलवार को दिल्ली से पटना पहुंचे। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से उनकी मुलाकात हुई है। पूरे देश में एनडीए गठबंधन को 400 से ज्यादा सीट पर चुनाव जीतना है। उसको लेकर एनडीए ने मिलजुल कर रणनीति बनायी है। उन्होंने कहा कि बिहार में 40 में से 40 सीट इस बार एनडीए गठबंधन जीतेगी और इसको लेकर हम लोग लगातार काम कर रहे हैं। चुनाव का प्रचार भी विभिन्न क्षेत्रों में एनडीए के नेता जाकर कर रहे हैं। निश्चित तौर पर जनता नरेंद्र मोदी के साथ है। नरेंद्र मोदी के द्वारा किए गए विकास कार्य से जनता काफी खुश हैं। चिराग पासवान के कहा कि जिस तरह से गरीबों, किसानों, मजदूरों और आम लोगों के लिए नरेंद्र मोदी सरकार ने काम किया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने सबका साथ सबका विकास का नारा लेकर देश को आगे बढ़ाया है। निश्चित तौर पर बिहार की जनता नरेंद्र मोदी के साथ है और इस बार भी बिहार की जनता बिहार के सभी सीटों पर एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार को जिताने का काम करेगी। चिराग पासवान से जब सवाल किया गया कि बिहार में महागठबंधन अभी तक कई सीटों पर उम्मीदवारों के नाम की घोषणा नहीं किया है तो उन्होंने कहा कि यह उनका मामला है, लेकिन आप इतना समझ लीजिए कि एनडीए में सब कुछ साफ है।

पटना में धूं-धूंकर जल गई स्कूल बस

पटना। राजधानी पटना में मंगलवार को स्कूली बच्चों को लेकर जा रही एक बस में अचानक आग लग गई। स्कूल बस में 12 से 15 बच्चे सवार थे। आग लगने से उनकी जान आफत में आ गई। यह घटना जीरो माइल अगमकुआं बायपास पर हुई। आग लगने से मौके पर अफरातफरी मच गई। आनन-फानन में ड्राइवर और स्थानीय लोगों की सूझबूझ से बस के अंदर बैठे स्कूली बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। बायपास पर स्थित चाय दुकानदार शंकर कुमार ने बताया कि पहले बस में हल्की आग लगी। बस ड्राइवर ने बालू के जरिए आग को बुझाने की कोशिश की, लेकिन लपटें बढ़ने लगीं। तभी सभी बच्चों को बस से बाहर निकाला गया। देखते ही देखते आग ने पूरी स्कूल बस को अपनी चपेट में ले लिया।

पालीगंज अनुमण्डल प्रशासन की आदेशों की उड़ रही धज्जियां

पटना, अमृतवर्षा सं.। पालीगंज मे एक तरफ अनुमंडल प्रशासन पालीगंज की सड़कों को अतिक्रमणमुक्त कराने को लेकर मुहिम चला रही है तो दूसरी ओर कुछ अतिक्रमणकारीयों ने बाजार की सड़कों को अतिक्रमण कर रखने की कसम खा रखे है। ऐसी ही दृश्य मंगलवार को पालीगंज स्थित खिरीमोड खानपुरा रोड में देखने को मिली। जहां जानेमाने व वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. पी. के. झां के क्लिनिक के आगे सड़क पर अतिक्रमणकारियों की वाहनें खड़ी थी। यहां तक कि मरीजों की वाहनें भी सड़क पर खड़ी थी। जिसके कारण सड़क पर जाम की स्थिति बनी हुई थी। वहां से गुजरनेवाले यात्रियों को काफी परेशानी झेलना पड़ रहा था। यही स्थिति कमोवेश पालीगंज की कई सड़को पर देखने को मिली। ज्ञात हो की पालीगंज नगर पंचायत प्रशासन द्वारा नियमित रूप से समय समय पर पालीगंज नगर बाजार की सड़को को अतिक्रमण करने वाले अतिक्रमणकारियों को हटाने के लिए बार-बार अपील किया जाता रहा है। लेकिन इसका कोई असर अतिक्रमणकारियो पर नहीं पड़ता दिखाई दे रहा है। दूसरी तरफ नगर पंचायत प्रशासन डाल डाल तो अतिक्रमणकारी पात पात चलने वाली कहावत को सिद्ध करते हुए नजर आ रहा है। पूर्व पालीगंज अनुमण्डलाधिकारी जयचंद्र यादव ने मुख्य रूप से प्राथमिकता देते हुए पालीगंज अनुमण्डल मुख्यालय बाजार की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने की बड़े पैमाने पर व्यापक रूप से अतिक्रमण मुक्ति अभियान चलाया था।

पटना में सत्यापन के लिए नही पहुंचे 400 से अधिक नियोजित शिक्षक

पटना, अमृतवर्षा सं.। शिक्षा विभाग के बुलाने के बाद भी राज्य के विभिन्न जिलों के 400 से अधिक नियोजित शिक्षक सत्यापन कार्य कराने के लिए नहीं पहुंचे। इन सब की जिलावार सूची तैयार की जा रही है। जल्द ही संबंधित जिलों को यह सूची भेजकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जिलों के स्तर पर पूरे मामले की जांच होगी कि किन कारणों से ये शिक्षक नहीं पहुंचे। इसके बाद जिलों की रिपोर्ट के आधार पर विभाग आगे का निर्णय लेगा। मालूम हो कि सक्षमता परीक्षा के आवेदन में राज्य में 1205 नियोजित शिक्षक ऐसे मिले थे, जिनका बीटेट, सीटेट अथवा एसटेट का रौल नंबर एक से अधिक का समान था। इन सभी नियोजित शिक्षकों को जांच के घेरे में लेते हुए विभाग ने चरणबद्ध तरीके से मुख्यालय में बुलाया गया था। विभाग में बने कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में एक-एक कर सभी शिक्षकों का सत्यापन किया गया है। यह कार्य विभाग में 10 मार्च से 23 मार्च तक चला। लेकिन, इस दौरान 400 से अधिक शिक्षक विभाग में सत्यापन कार्य के लिए पहुंचे ही नहीं। वहीं, जो शिक्षक पहुंचे हैं, उनके सत्यापन

1205 अभ्यर्थियों की जांच होगी डिग्री

की रिपोर्ट संबंधित कमेटी ने विभाग को सौंप दी है। रिपोर्ट जिलों को जल्द ही भेजी जाएगी,जिसका अध्ययन किया जा रहा है। कक्षा एक से पांच तक के एक लाख 48 हजार 845 शिक्षकों ने सक्षमता परीक्षा दी थी। बिहार शिक्षक सक्षमता परीक्षा का रिजल्ट 29 मार्च 2024 को जारी किया गया था। इनमें एक लाख 39 हजार दस उत्तीर्ण हुए थे। वहीं, कक्षा छह से आठ के 23 हजार 873 शिक्षकों ने सक्षमता परीक्षा दी थी, जिनमें 22 हजार 941 उत्तीर्ण हुए हैं। विभाग ने पहले ही साफ किया है कि हर नियोजित शिक्षकों को सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण होने के लिए पांच मौके दिये जाएंगे। परीक्षा उत्तीर्ण होने के बाद स्कूल में योगदान की तिथि से नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा दिया जाएगा। बिहार बोर्ड की शिक्षक सक्षमता परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थी वेबसाइट पर जाकर संशोधित रिजल्ट देख सकते हैं। आवेदन नंबर और जन्म तिथि डालकर संशोधित रिजल्ट देखा जा सकता है।

तेजस्वी का गृहमंत्री पर हमला, लालू को सनातन विरोधी कहने पर पीएम को दिया जवाब

मोदी 365 दिन भी बिहार आएं तो भी हार तय है

पटना, अमृतवर्षा सं.। बिहार में लोकसभा चुनाव प्रचार अब तेज हो गया है। एनडीए और इंडिया गठबंधन के सभी बड़े नेता अब चुनाव के प्रचार में जुटे हुए हैं। बता दे कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिर एक बार 16 अप्रैल को बिहार आ रहे हैं वहीं देश के गृहमंत्री अमित शाह 10 अप्रैल को औरंगाबाद पहुंचेंगे। वहीं भाजपा के बड़े नेताओं के बिहार आगमन मंगलवार को बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने जोरदार हमला किया। तेजस्वी ने कहा कि भाजपा के बड़े नेताओं और प्रधानमंत्री को केवल चुनाव के समय ही बिहार आपकी याद आती हैं। अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे पर तेजस्वी ने कहा कि चुनाव में तो सभी लोग आते ही रहते हैं, आने दीजिए इसमें कौन सी बड़ी बात है। जो हालात हैं प्रधानमंत्री अगर साल के 365 दिन भी आएंगे तो इन लोगों की हार तय है। प्रधानमंत्री और बीजेपी के लोग सबसे अधिक

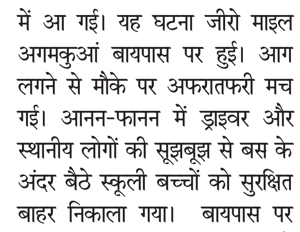

अगर किसी चीज से डरे हुए हैं तो बिहार से डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग तो यहां अपनी पूरी ताकत लगाएंगे। ये लोग तो इतना डर गए हैं कि अपनी जांच एजेंसियों को भी यहीं रखे हुए हैं। ये सब हमलोगों को पता है। प्रधानमंत्री हों या गृहमंत्री हों आएं लेकिन उनसे हाथ जोड़कर निवेदन है कि मुद्दे की बात करें, किसानों की बात करें, बिहार के विशेष राज्य के दर्जे की मांग करें, बिहार के स्पेशल पैकेज के बारे में बात करें, नौकरी के बारे में बात करें, पलायन कैसे रोकेंगे इसकी बात करें। तेजस्वी ने कहा कि चुनाव के समय ये लोग तो आते हैं और वादा करके चले जाते हं। पिछले चुनाव में कितना कारखाना लगाने का वादा किए थे लेकिन 10 साल में एक भी कारखाना खुला? कोई निवेश भी नहीं आया लेकिन गुजरात को देख लीजिए तो सब चीज गुजरात धकेल दिया जाता है और बिहार प्रचंड बहुमत देता है फिर भी बिहार को कुछ हासिल नहीं होता है। बिहार में लोकसभा चुनाव के दौरान बयानबाजियों का दौर लगातार जारी है। पक्ष और विपक्ष के नेता एक दूसरे पर बयानों के बाण बरसा रहे हैं। नवादा की रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस और आरजेडी को सनातन विरोधी बताया था। उन्होंने अपने भाषण की शुरूआत जय छठी मईया बोलकर किया था। पीएम मोदी द्वारा लालू परिवार को सनातन विरोधी बताने पर तेजस्वी ने पलटवार किया है। तेजस्वी ने कहा कि हमको किसी को कुछ बताने की जरुरत नहीं है और ना ही बीजेपी के लोगों को सफाई देने की ही आवश्यकता है। हमलोग सभी धर्म के लोगों का सम्मान करते हैं। पूजा-पाठ की तो बात छोड़िए हमारे घर में ही मंदिर है, सभी लोगों ने देखा है। तेजस्वी ने कहा कि हमारे परिवार के लोग अक्सर पूजा-पाठ करते रहते हैं, मेरे परिवार के एक भी ऐसे सदस्य को बता दीजिए जो पूजा-पाठ नहीं करता हो। मेरी मां लंबे समय से छठ पूजा करती रही हैं। अब न ये लोग जय छठी मईया कह रहे हैं, हमलोग तो बुतरू (बच्चा) थे तब से जय छठी मईया कह रहे हैं। ये लोग न तो बेरोजगारी पर बात करते हैं और ना महंगाई पर कुछ बोलते हैं। बीते 7 अप्रैल को नवादा में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने इंडी गठबंधन के लोगों को सनातन विरोधी बताया था। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का जिक्र करते हुए विपक्ष के नेताओं पर जमकर हमला किया था। पीएम मोदी ने जनसभा में मौजूद लोगों से अपील करते हुए कहा कि इन लोगों की प्रभु राम से दुश्मनी है, इसलिए प्राण प्रतिष्ठा में शामिल नहीं हुए। रामनवमी आ रही है, पाप करने वालों को भूलना मत।

अपडेट न्यूज

पटना में निजी बस से 87 लीटर विदेशी शराब जब्त

पटना। राजधानी पटना के रामकृष्ण नगर थाने की पुलिस ने हजारों रुपए के विदेशी शराब एक निजी बस के डिक्की से बरामद किया है। इस मामले में बस के ड्राइवर और खलासी पुलिस की नजर से भाग निकलने में सफल हो गया। पुलिस अब बस के मालिक का पता लगाने में जुट गई है। पटना के राम कृष्ण नगर थाना क्षेत्र के एक जगह पर एक बस के बारे में पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि इस बस से बड़े पैमाने पर शराब की होम डिलीवरी करने की योजना है। सूचना मिलते ही राम कृष्ण नगर थाने की पुलिस और मध निषेध विभाग की टीम के द्वारा छापेमारी कर बस के डिक्की में रखे गए लाखों रुपए की विदेशी शराब को जब्त कर लिया है। इस मामले को लेकर राम कृष्ण नगर थाना प्रभारी कृष्ण चंद्र भारती ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एक निजी बस के डिक्की में रखे गए 8 7.75 लीटर शराब जब्त की गई है। उन्होंने बताया कि इस मामले में ड्राइवर और खलासी भागने में सफल हो गये। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह बस रजिस्ट्रेशन किसके नाम पर है।

पटना के 5 झोपड़ीनुमा घर में लगी आग, तीन लाख से अधिक का सामान जलकर राख

पटना। बिहार में गर्मी की तपिश बढ़ते ही ग्रामीण इलाकों में इन दिनों आग लगने की घटना तेज हो गई है। रोजाना कहीं ना कहीं से आग लगने की घटना सामने आ रही है। वहीं, पटना में इन दिनों आग लगने से लोग सहमे हुए है। ताजा मामला राजधानी पटना के दानापुर से सामने आ रही है। जहां गंगहरा पंचायत के फुटानी बाजार स्थित उत्तरी क्षेत्र में पांच झोपड़ीनुमा घर जलकर राख हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, आग दानापुर दियारा के गंगहारा पंचायत स्थित फुटानी बाजार स्थित पांच झोपड़ीनुमा घर में लगी। जहां खाना बनाने के दौरान सिपाही राम के एक झोपड़ीनुमा घर में सबसे पहले आग लग गई, जिसके बाद देखते ही देखते उनके घर से सटे पांच अन्य घरों में भी आग लग गई। वहीं, स्थानीय लोगों ने किसी तरह आग बुझाने की काफी कोशिश की, लेकिन वह असफल रहे। जिसके बाद अकिलपुर थाना को इसकी सूचना दी गई, बाद में पुलिस ने मौके पर छोटी दमकल की गाड़ी पहुंचाई, जिसके सहारे काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया है।

अधिवक्ता के घर बम से हमला करने वालों की पहचान में जुटी पुलिस

पटना। पत्रकार नगर थाना क्षेत्र के कंकड़बाग डॉक्टर्स कॉलोनी स्थित सिविल कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता के घर पर बम से हमला करने वाले बदमाशों की पहचान करने में पुलिस जुट गई है। पहचान के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। वहीं, बाइक के नंबर से उसके मालिक का पता लगाया जा रहा है। थानेदार अभय कुमार ने बताया कि आरोपितों की गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है। बदमाशों के पकड़े जाने पर पता चल सकेगा कि वारदात करने के पीछे उनकी मंशा क्या थी? डॉ. अभिषेक प्रियदर्शी डॉक्टर्स कॉलोनी स्थित मकान संख्या ओ-90 में रहते हैं। सिविल कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता रविवार की रात घर स्थित कार्यालय में अपने क्लाइंट के साथ बैठे थे। इसी दौरान रात करीब 8.30 बजे उनके घर के बाहर तेज धमाका हुआ।

होटल मौर्य का फर्जी मेल बनाकर 31 हजार की ठगी

पटना। गांधी मैदान स्थित होटल मौर्य का फर्जी मेल बनाकर साइबर अपराधियों ने 31 हजार 866 रुपये की ठगी कर ली। दरअसल, एक दवा कंपनी की ओर से कार्यक्रम को लेकर होटल की बुकिंग की गई थी। कंपनी ने एडवांस के रूप में कुछ रकम दी। दो अप्रैल को होटल प्रबंधन ने कंपनी को बिल भेजा। कंपनी की ओर से दो बार में रुपये जमा किये गये। इधर, जब होटल के अधिकारियों ने कंपनी के खाते को देखा तो उसने रुपये जमा नहीं हुये थे। बाद में कंपनी से रुपये जमा करने की पूरी जानकारी डिटेल मांगी गई। जांच में पता चला कि गलत मेल आईडी का इस्तेमाल साइबर अपराधियों ने सारे पैसे अपने खाते में जमा करवा लिये हैं। होटल मौर्य को अंग्रेजी में गलत लिखकर फर्जी मेल आईडी बनाया गया था। होटल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर बीडी सिंह ने बताया कि साइबर अपराध को लेकर गांधी मैदान थाने में केस दर्ज करवाया गया है। रुपये के लेन-देन को लेकर सतर्कता बरती जा रही है।

भाजपा ने सोनपुर के अफसरों की चुनाव आयोग से की शिकायत

पटना। सारण जिले में सोनपुर के एसडीपीओ और अनुमंडल पदाधिकारी पर सुरक्षा बलों की तैनाती में पक्षपात करने का आरोप लगाते हुए नई दिल्ली स्थित मुख्य चुनाव आयुक्त, बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और सारण के जिला निर्वाचन अधिकारी से शिकायत की है। आरोप है कि उक्त अधिकारी राजद के पक्ष में काम कर रहे हैं। पत्र में कहा गया है कि राजद के प्रखंड स्तर के कार्यकताओं की धमकी के बाद लालू प्रसाद की बेटी डॉ रोहिणी आचार्य को 2 अप्रैल को अधिकारियों ने 21 स्थानों पर आचार संहिता के नाम पर मजिस्ट्रेट के साथ सुरक्षा प्रदान की। जबकि रोहिणी न तो जन प्रतिनिधि हैं और न ही अभी तक सारण से आधिकारिक तौर पर प्रत्याशी घोषित की गई हैं। शिकायत बिहार भाजपा के न्यायिक मामले व चुनाव आयोग संपर्क विभाग के प्रमुख सह पटना हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता एसडी संजय, भाजपा प्रवक्ता संजीव कुमार मिश्रा, राकेश कुमार ठाकुर, दीपक वर्मा, प्रियंका राजलक्ष्मी व रविन्द्र राय ने किया है। यह जानकारी भाजपा न्यायिक मामले व चुनाव आयोग संपर्क विभाग के मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार ने दी है।

अमृतवर्षा संपादकीय

अंगों के कारोबार की काली दुनिया...

मानव ऊतक प्रत्यारोपण का इतिहास कम से कम 140 वर्ष या संभवतः इससे भी पुराना है। दुनिया का पहला सफल मानव अंग (किडनी) प्रत्यारोपण 70 साल पहले हुआ था। तब से मानव यकृत, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंत का सफल प्रत्यारोपण किया गया है। किडनी प्रत्यारोपण सहित इन छह को जीवन रक्षक माना जाता है। आज चिकित्सा विज्ञान की प्रगति के कारण एक व्यक्ति से करीब 37 अंगों और ऊतकों को निकालकर दूसरे मनुष्य में प्रत्यारोपित किया जा सकता है। भारत में पहला सफल मानव किडनी प्रत्यारोपण दिसंबर, 1971 में क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर में किया गया था। सबसे पहले किडनी का ही प्रत्यारोपण हुआ था और आज भी सबसे ज्यादा इसी का प्रत्यारोपण होता है। इसके बाद यकृत और हृदय का स्थान है। हालांकि, जरूरत से काफी कम अंग प्रत्यारोपण होते हैं। अंग प्रत्यारोपण चिकित्सा क्षेत्र की उन्नति का प्रमाण है। दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में भारत में अंग प्रत्यारोपण विदेशियों के लिए अपेक्षाकृत सस्ता है। दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और अफ्रीका के कई देश प्रत्यारोपण सुविधा विकसित करने में सक्षम नहीं हैं।

इसलिए भारत में इलाज कराने के साथ अंग प्रत्यारोपण के लिए बड़ी संख्या में मरीज आते हैं। चिकित्सा पर्यटन एवं अंग प्रत्यारोपण का दूसरा पहलू अंग व्यापार का समृद्ध कारोबार है। एक ओर जहां जीवन बचाने के लिए परोपकारी अंग दाताओं के सामने आने की खबरें आती हैं, वहीं दूसरी ओर गरीब लोगों से अंग खरीदने की बातें भी सामने आती हैं। अभी हाल ही में पुलिस ने गुरुग्राम में एक गिरोह का भंडाफोड़ किया, जिसमें बांग्लादेश के लोगों को कथित तौर पर अवैध किडनी प्रत्यारोपण के लिए गिरफ्तार किया गया, जो जयपुर के एक अस्पताल में करवाया गया था। मानव अंगों की खरीद-बिक्री एक पुरानी और वैश्विक परिघटना है। 1970 के दशक से ही इस पर अंकुश लगाने की जरूरत सभी देशों में महसूस की जा रही है। 1980 और 1990 के दशक के मध्य में ज्यादातर देशों ने अंग प्रत्यारोपण के लिए कानूनी ढांचा तैयार कर लिया। भारत सहित ज्यादातर देशों में इसे गैर-कानूनी बनाया गया है। पैसे लेकर अंगदान करने को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैर-कानूनी माने जाने के बावजूद अवैध अंग व्यापार जारी है। नेपाल, भूटान, इंडोनेशिया और भारत सहित दक्षिण एशिया के कई देशों में अवैध किडनी बिक्री का लंबा इतिहास है। पीड़ितों को अक्सर विदेश में उच्च वेतन के वादे कर काम का लालच दिया जाता है, जिसके बाद वे खुद को कर्ज में फंसा पाते और अंग बेचने के लिए मजबूर हो जाते हैं।

अंग तस्करी के मुद्दे से निपटने और अंगों के उचित आवंटन को सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने मानव अंगों और ऊतकों का प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 बनाया। यह कानून चिकित्सीय उद्देश्यों के लिए मानव अंगों और ऊतकों को हटाने, भंडारण और प्रत्यारोपण को नियंत्रित करता है और उनके व्यावसायिक लेन-देन पर भी रोक लगाता है। इस अधिनियम की धारा 19 के अनुसार, वाणिज्यिक लेन-देन में शामिल कोई भी व्यक्ति यदि-अंगों के लिए पैसे देने या पैसे के लिए अंगों की आपूर्ति करने की पेशकश करता है, इसके लिए पहल/बातचीत/विज्ञापन करता है, अंगों की आपूर्ति करने वाले व्यक्ति की तलाश करता, और झूठे दस्तावेज तैयार करने में सहयोग करता है, तो उसे 10 साल तक की जेल और एक करोड़ रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है।

हालांकि, इसमें चुनौतियां हैं। जब अंगदाता और प्राप्तकर्ता की जोड़ी देशों की सीमा पार करती है, तो सबसे बड़ी चुनौती उनके बीच संबंध स्थापित करने और भुगतान तथा स्वैच्छिक दान में अंतर करने में आती है। दूतावासों से अपेक्षा की जाती है कि वे जबर्दस्ती और भुगतान से इन्कार का प्रमाणपत्र जारी करें, लेकिन अनुभव बताते हैं कि वे हमेशा उचित प्रक्रिया का पालन नहीं करते। भारत में इसकी जांच की अगली जिम्मेदारी अस्पतालों की विशेष समितियों पर होती हैं, जिनके पास इस प्रकार के संदेहास्पद प्रत्यारोपण को रद्द करने का अधिकार है। जब भारत में किडनी की मांग बढ़ती है, तो गरीब व्यक्ति या पड़ोसी देश तस्करों के लिए शिकारगाह बन जाता है। अंग तस्करी की अंतरराष्ट्रीय प्रकृति अभियोजन को चुनौतीपूर्ण बनाती है, अपर्याप्त कानून प्रवर्तन के कारण कानूनी दान और अवैध बिक्री के बीच बारीक अंतर को स्पष्ट करना और भी जटिल हो जाता है।

दूसरी चुनौती राष्ट्रीय स्तर पर है। इससे संबंधित कानून को पूरे भारत में समान रूप से लागू नहीं किया गया है, क्योंकि स्वास्थ्य राज्य सूची का विषय है। इससे देश में अवैध अंग व्यापार के लिए गुंजाइश पैदा होती है। पूरे भारत में एक समान कानून की आवश्यकता है, जिसे संसद द्वारा संविधान के अनुच्छेद 249 और 252 को लागू करके किया जा सकता है। तो क्या किया जाना चाहिए? अधिकांश विदेशी मरीजों की भर्ती एजेंटों के माध्यम से होती है, जो यात्रा और कागजी कार्रवाई पूरा करते हैं। संबंधित देशों के कानूनों से सामंजस्य बनाने की पहल होनी चाहिए, ताकि एक देश के अपराधी पर दूसरे देश में मुकदमा चलाया जा सके। अपराध जांच में सहायता की एक प्रणाली स्थापित करके अवैध अंग व्यापार से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है। दूसरा, अंग तस्करी में शामिल मिलीभगत को पकड़ने के लिए चिकित्सा गतिविधियों में पारदर्शिता बढ़ाने की जरूरत है। तीसरा, मृत्यु के बाद अंगदान प्रत्यारोपण का भविष्य है।

भारत में छह में से केवल एक अंगदान मृत दाताओं से होता है। इसके बारे में जन जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। भारत में अंग व्यापार और अंगों का अंतर-देशीय व्यापार एक उभरती हुई चुनौती है। यदि इससे प्रभावी ढंग से नहीं निपटा गया, तो चिकित्सा पर्यटन और स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत की छवि खराब हो सकती है। मौजूदा कानून को मजबूती से लागू करने के लिए पड़ोसी देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बेहतर सहयोग की आवश्यकता है। चिकित्सा पेशे से जुड़े लोग और डॉक्टरों को भी इस तरह के अवैध कारोबार को रोकने के लिए ईमानदारी और प्रतिबद्धता दिखानी होगी। अंग और ऊतक प्रत्यारोपण एक नेक कार्य है और सबको इसका दुरुपयोग रोकने के लिए सहयोग करना चाहिए।

संस्थापक संपादक: स्व. पारसनाथ तिवारी

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक रीता तिवारी द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर, सेक्टर-4 बहादुरपुर, पीओ-बीएच कॉलोनी, अगमकुंआ, पटना-26 से मुद्रित व पंत भवन, पं जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना-1 पोस्ट बॉक्स नं. 212 जी.पी.ओ., पटना-1 दूरभाष- 9905463571, 8757425017, धनबाद

कार्यालय: मास्टर पाड़ा जे.सी. मल्लिक रोड, हीरापुर, धनबाद दूरभाष- 2204991, दिल्ली कार्यालय: बी-49, जैन मंदिर गली, शकरपुर मेन मार्केट, दिल्ली-110092, फोन नं.- 011-22055208, आर.एन.आई नं. 44420/87

ईमेल: amritvarshanews2015@gmail.com

संघ संस्थापक डॉ. हेडगेवार- भारत की सांस्कृतिक सेना के शिल्पी

आ सिंधु-सिंधु पर्यन्ता, यस्य भारत भूमिका'
पितृभू-पुण्यभू भुश्चेव सा वै हिंदू रीति स्मृता''

इस श्लोक के अनुसार ''भारत के वह सभी लोग हिंदू हैं जो इस देश को पितृभूमि-पुण्यभूमि मानते हैं'' वीर दामोदर सावरकर के इस दर्शन को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का मूलाधार बनाकर संघ का संगठन, संस्थापना करने वाले डा. केशव बलिराम हेडगेवार जी को हम यदि पूर्ण रूप से अपनी कल्पना में पिरोने का कार्य करें तो यह कार्य तनिक दुष्कर ही होगा। यह कार्य दुष्कर इसलिए होगा क्योंकि अधिकतर विचारक डा. हेडगेवार के विषय में कहते, लिखते, सोचते समय अपनी दृष्टि को संघ केन्द्रित कर लेते हैं। ''राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ'' को ही उनके राष्ट्रीय शिल्प का मानक या केंद्र माना जाता है जो कि एक अधूरी, अपूर्ण व मिथ्या अवधारणा है। वस्तुतः राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ उनके विशाल, महत्वाकांक्षी व विस्तृत वितान वाले ''भारत एक विश्व गुरु'' व ''परम वैभवमयी भारत माता'' के लक्ष्य का एक पाथेय भर है। वस्तुतः हेडगेवार का समूचा जीवनचरित्र एक व्यापक एवं गहन अनुसंधान के साथ साथ सहज चिंतन व चर्चा का भी विषय है। उनके जीवन के विभिन्न गुणात्मक भाग गंभीर अध्येताओं व समाज शास्त्रियों हेतु हमेशा ही एक खोज का विषय बने रह सकते हैं। संक्षेप में यह कि लोग विचारते हैं कि संघ ही डा. हेडगेवार का जीवन लक्ष्य था जबकि सत्य यह है कि संघ को डा. साहब ने केवल अपना माध्यम बनाया था; उनका मूल लक्ष्य तो स्वर्णिम भारत, भारत माता की परम वैभव शिखर पर स्थापना व हिंदूत्व ध्वजा को विश्व भर में फहराना ही था; जो कि आज संघ का परम लक्ष्य है। यहां यह भी कहा जा सकता है कि डा. हेडगेवार ने स्वयं को तो संघ के रूप में संपूर्णतः व्यक्त कर दिया था किंतु संघ की संघटना, विचार शक्ति, योजना, कार्यशक्ति, कल्पना शक्ति, संवेदनशीलता को उन्होंने इस प्रकार शिल्प किया था कि संघ कभी भी, किसी भी काल में, किसी भी परिस्थिति में संपूर्णतः व्यक्त हो ही नहीं सकता है!! डाक्टर साहब के संघ को सदैव स्वयं अव्यक्त रहकर समाज को अभिव्यक्त करना आता है. संघ को स्वयं कुछ भी न करके सब कुछ कर देने का दिव्य अकर्ता भाव धारण करना आता है। संघ को सर्वदर्शी होकर कहीं भी न दिखने की दिव्य दृष्टि से परिपूर्ण डाक्टर साहब ने ही किया है। संघ का यही निर्लिप्त भाव डा. हेडगेवार जी की सबसे बड़ी सफलता नहीं बल्कि उनकी अलौकिक उपलब्धि है। संघ का यही स्वरूप डाक्टर हेडगेवार जी को संघ से इतर ले जाकर एक संगठन शास्त्री ही नहीं अपितु एक ऐसे समाज शास्त्री के स्थान पर बैठाता है जिसमें समाज की दृष्टि राष्ट्र केन्द्रित होती है. यही कारण हैं कि आज राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ व इसके देवतुल्य प्रचारक और इसके कार्यकर्ता भारत देश व इसके देशज समाज हेतु अमूल्य निधि

जो संघ को सतही तौर पर भी जानते हैं वे इस तथ्य से परिचित हैं कि डा. हेडगेवार रचित संघ में इसके संविधान का महत्व शून्य के जैसा है। संघ में जो लिखित संविधान है उसे केवल इसलिए अपनाया गया क्योंकि एक औपचारिक संगठन संस्थापना व कानूनी आवश्यकताओं हेतु यह आवश्यक था

हो गए हैं. यही कारण है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ आज सम्पूर्ण विश्व हेतु कौतुहल व जिज्ञासा के साथ साथ श्रद्धा विषय हो गया है। विश्व के समस्त संगठन विज्ञानी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के इस विचित्र किंतु सत्य संगठन के अंतर्तत्व, मर्म व गुंठन-अवगुंठन को समझना चाहते हैं। किंतु, यह भी सत्य है कि संघ बड़े बड़े ज्ञानियों के समझ नहीं आता है और जब यही महाज्ञानी अपने भोलेपन व कुछ न जानने के बालपन के भाव से संघ की शाखा में जाते हैं तो संघ को सहजता से संपूर्णतः जान लेते हैं। डा. हेडगेवार जी को इस दृष्टि से हम जादूई संगठन कर्ता कहें तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। जो संघ को सतही तौर पर भी जानते हैं वे इस तथ्य से परिचित हैं कि डा. हेडगेवार रचित संघ में इसके संविधान का महत्व शून्य के जैसा है। संघ में जो लिखित संविधान है उसे केवल इसलिए अपनाया गया क्योंकि एक औपचारिक संगठन संस्थापना व कानूनी आवश्यकताओं हेतु यह आवश्यक था। डा. साहब के अनुसार तो संघ का संविधान केवल एक शब्द से परिभाषित व व्यक्त होता है और वह शब्द है झ "भारत माता"। व्यक्ति से बड़ा समाज, समाज से बड़ी जाति, जाति से बड़ा धर्म और धर्म से सर्वोपरि भारत माता, अर्थात राष्ट्रवाद; यही संघ का अलिखित किंतु अनिवार्य संविधान है। आज राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर पर कौतुहल का विषय भी यही है कि अपने संविधान को कभी खोलने पलटने व देखने भी न वाले संघ को आखिर डा. हेडगेवार ने कौन थे तो उत्तर यह है कि संघ केवल और केवल उनकी ईश्वरीय अंतर्चेतना का परिणाम है। तथ्यों के स्थूल व भौतिक कल्पना से चलने वाले संगठन विज्ञानी इसे समझे न समझे किंतु अपने भोले मन से चलने व कार्य करने वाला एक स्वयंसेवक आज भी संगठन में डा. हेडगेवार जी को स्वयं के सम्मुख प्रकाशपुंज के रूप में साक्षात उपस्थित पाता है. प्रकाश पुंज के रूप में सतत उपस्थिति के इस तथ्य का अलौकिक आभास एक सामान्य स्वयंसेवक भी अपने ''आद्य सरसंघचालक प्रणाम'' की प्रक्रिया में

सी जादुई प्राणशक्ति दी है जिससे यह सदैव स्वस्फूर्त, स्वशासी, स्वमेव स्वायत्त होकर भी घोर अनुशासित रूप में कार्य करता रहता है। डा. हेडगेवार जी संघ की स्थापना के पूर्व अपने विद्यार्थी जीवन में बंगाल के क्रांतिकारी संगठन अनुशीलन समिति में सक्रिय रूप से कार्यरत रहे थे। वे युवावस्था में ही उनके दिव्य अनुभवों व कार्य कलापों के चलते हिन्दू महासभा बंगाल प्रदेश के उपाध्यक्ष नियुक्त कर दिए गए थे। कांग्रेस में भी वे कुछ समय तक सक्रियता से दायित्व निभाते रहे थे। संघ की स्थापना के पूर्व का उनका जीवन, कायार्नुभव व संपर्क कतई ऐसे नहीं माने जा सकते थे जिनसे 1925 से लेकर आज तक के शत वर्ष के होने जा रहे संघ के किसी भी रूप की कल्पना की जा सकती हो।

यदि प्रश्न यह है कि संघ के इस अनहद, विहंगम, विराट व आत्मा में बस जाने वाले सूक्ष्म स्वरूप की कल्पना डा. साहब कैसे कर पाए बड़ी सहजता से करता रहता है। जो पाठक ''आद्य सरसंघचालक प्रणाम'' की परंपरा को नहीं समझते हैं उन्हें इसे समझने का सहज प्रयास करना चाहिए। डा. केशव बलिराम हेडगेवार का प्रथम श्रेणी में डाक्टरी की परीक्षा को पास करना और उसके बाद चिकित्सा के पेशे से सर्वथा भिन्न समाज व राष्ट्र सेवा में आजीवन अविवाहित रहकर आकंठ डूब जाना एक गहन जिज्ञासा का विषय है। व्यक्ति के आंतरिक व्यक्त-अव्यक्त गुणों, कथितझअकथित क्षमताओं को उभारना व उसकी कार्यशीलता का भरपूर दोहन करना वे भली भांति जानते थे। संघ की आंतरिक कार्य प्रणाली को उन्होंने इस प्रकार विकसित किया कि चाहे कोई भी व्यक्ति स्वयंसेवक बने, उसकी क्षमताओं का सौ प्रतिशत उपयोग राष्ट्र सेवा में संघ कर ही लेगा। डाक्टर साहब ने अपने इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु कई प्रकार के नवाचार किये व नए नए प्रयोग अपनाए। डा. साहब ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने व्यक्ति की क्षमताओं को उभारने के लिये नये-नये तौर-तरीके विकसित किये और उनकी कल्पना व रीति नीति आज सौ वर्षों पश्चात भी पूर्ण प्रासंगिक, सटीक व सफल है। उल्लेखनीय है कि डा. हेडगेवार जी ने बंगाल में हुए अपने जीवन के प्रारम्भिक सार्वजनिक अनुभवों से राष्ट्र सेवा हेतु अर्ध सैनिक संगठन की कल्पना की थी। उन्होंने 1925 की विजयादशमी के शुभ दिन आरएसएस की स्थापना के समय इसके अर्धसैनिक स्वरूप की ही कल्पना भी प्रस्तुत कर दी थी, किंतु शीघ्र ही वे सैन्य संगठन की सीमाओं को चिन्हित कर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अवधारणा की यात्रा की ओर तीव्रता से अग्रसर हो गए थे। संघ की यह यात्रा अब तक अपने अटूट, अनवरत, अविभक्त स्वरूप में जारी है। संघ के स्थापना काल में अंग्रेजी का एक शब्द प्रचलित था "मिलिशिया"। संघ स्थापना के मूल में इस शब्द का ही वितान था। ''मिलिशिया'' का अर्थ होता है, सिविल सोसाईटी से देश सेवा हेतु निकले हुए अवैतनिक सैनिक. इस अंग्रेजी शब्द मिलिशिया के अंतर्तत्व में डाक्टर साहब ने वीर सावरकर जी के हिंदुत्व दर्शन को स्थापित किया था जिसकी यह अविभाज्य मान्यता थी कि "भारत के वह सभी लोग हिंदू हैं जो इस देश को मातृभूमि, पितृभूमि-पुण्यभूमि मानते हैं"। इनमे सनातनी, आर्यसमाजी, जैन, बौद्ध, सिख आदि पंथों एवं धर्म विचार को मानने वाले व उनका आचरण करने वाले समस्त जन को हिंदू के व्यापक दायरे में रखा गया था। भारतीय समाज में सामाजिक समरसता की स्थापना व प्रत्येक स्तर पर अस्पृश्यता की समाप्ति इस संगठन के मूल मंत्र में स्थापित है। डाक्टर साहब शिल्पित संघ आज अपनी सैकड़ो समवैचारिक संगठनों व इन संगठनों के हजारों-लाखों प्रकल्पों के साथ भारत की प्रत्येक श्वांस में अपने पूर्ण स्वरूप में विद्यमान दिखता है। यह बड़ा ही सशक्त, गर्वोक्त किंतु विनम्र तथ्य है कि इतनी विराट, व्यापक व व्यवस्थित उपस्थिति के बाद भी संघ अपने किसी मंच से अपनी इस बलवान, प्रभासाक्षी व सर्वव्यापी उपस्थिति की उद्घोषणा नही करता है किंतु शाखा जाने वाले किसी साधारण से स्वयंसेवक के माध्यम से समाज में पुर्णतः व्यक्त हो जाता है। श्री केशव का ही पुण्य प्रताप है कि आज संघ सर्वोपरि होते हुए भी अपने उसी दैन्य किंतु दैवीय स्वरूप में विनयावत स्थिति में दिखता है।

अखण्ड सौभाग्य के लिए सुहागिन महिलाएं 11 अप्रैल को रखेंगी गणगौर का व्रत

गणगौर का पर्व राजस्थान और भारत की भूमि के लिए बड़ा ही पवित्र और सुखद त्यौहार माना जाता है। इस पर्व को भारत में अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग नामों से भी जाना जाता है। यह पर्व मां पार्वती को समर्पित है और इस पर्व में उन्हीं की पूजा की जाती है। खास तौर से राजस्थान में गणगौर का बेहद ही महत्व है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर का पर्व हर वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस बार यह तिथि 11 अप्रैल को है। गणगौर की पूजा चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन की जाती है। इस दौरान सुहागन और कुंवारी कन्याएं माता पार्वती और शिवजी की पूजा करती हैं और पति की लंबी उम्र के लिए कामना करती हैं। इस पर्व की खास रौनक राजस्थान में देखने को मिलती है। राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और गुजरात के कुछ इलाकों में भी यह पर्व मनाया जाता है। ये पर्व करवा चौथ जैसे ही मान्यता रखता है। इसके अनुसार कुंवारी कन्याएं और महिलाएं अच्छा पति पाने और पति के साथ सुखद जीवन व्यतीत करने के लिए इस व्रत का अनुसरण करती है। माना जाता है कि ऐसा करने से पति-पत्नी के बीच भगवान शिव और मां पार्वती जैसा ही सुखद दाम्पत्य संबंध बनता है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 11 अप्रैल को गणगौर पर्व मनेगा। ये त्योहार चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। गणगौर पूजा चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि से आरम्भ की जाती है। इसमें कन्याएं और शादीशुदा महिलाएं मिट्टी के शिवजी यानी गण और माता पार्वती यानी की गौर बनाकर पूजन करती हैं। गणगौर के समाप्ति पर त्योहार धूम धाम से मनाया जाता है और झांकियां भी निकलती हैं। सोलह दिन तक महिलाएं सुबह जल्दी उठकर बगीचे में जाती हैं, दूब और फूल चुन कर लाती हैं। दूब लेकर घर आती है उस दूब से मिट्टी की बनी हुई गणगौर माता दूध के छीटें देती हैं। वे चैत्र शुक्ल द्वितीया के दिन किसी नदी, तालाब या सरोवर पर जाकर अपनी पूजी हुई गणगौरों को पानी पिलाती हैं। दूसरे दिन शाम को उनका विसर्जन कर देती हैं। जहां पूजा की जाती है उस जगह

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 11 अप्रैल को गणगौर पर्व मनेगा। ये त्योहार चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। गणगौर पूजा चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि से आरम्भ की जाती है।

को गणगौर का पीहर और जहां विसर्जन होता है उस जगह को ससुराल माना जाता है।

17 दिन तक मनाया जाता है यह पर्वः भविष्यवक्ता डॉ अनीष व्यास ने बताया कि राजस्थान में गणगौर का त्योहार फाल्गुन माह की पूर्णिमा (होली) के दिन से शुरू होता है, जो अगले 17 दिनों तक चलता है। 17 दिनों में हर रोज भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति बनाई जाती है और पूजा व गीत गाए जाते हैं।

इसके बाद चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करके व्रत और पूजा करती हैं और शाम के समय गणगौर की कथा सुनते हैं। मान्यता है कि बड़ी गणगौर के दिन जितने गहने यानी गुने माता पार्वती को अर्पित किए जाते हैं, उतना ही घर में धन-वैभव बढ़ता है। पूजा के बाद महिलाएं ये गुने सास, ननद, देवरानी या जेठानी को दे देते हैं। गुने को पहले गहना कहा जाता था लेकिन अब इसका

अपभ्रंश नाम गुना हो गया है।

अविवाहित कन्या करती हैं अच्छे वर की कामनाः ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर एक ऐसा पर्व है जिसे, हर महिला करती है। इसमें कुवारी कन्या से लेकर, शादीशुदा तक सब भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करती हैं। ऐसी मान्यता है कि शादी के बाद पहला गणगौर पूजन मायके में किया जाता है। इस पूजन का महत्व अविवाहित कन्या के लिए, अच्छे वर की कामना को लेकर रहता है जबकि, शादीशुदा महिला अपने पति की लंबी उम्र के लिए ये व्रत करती है। इसमें अविवाहित कन्या पूरी तरह से तैयार होकर और शादीशुदा सोलह श्रृंगार करके पूरे सोलह दिन विधि-विधान से पूजन करती हैं।

देवी पार्वती की विशेष पूजाः भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर पर देवी पार्वती की भी विशेष पूजा करने का विधान है। तीज यानी तृतीया तिथि की स्वामी गौरी हैं। इसलिए देवी पार्वती की पूजा सौभाग्य सामग्री से करें। सौलह श्रृंगार चढ़ाएं। देवी पार्वती को कुमकुम, हल्दी और मेंहदी खासतौर से चढ़ानी चाहिए। इसके साथ ही अन्य सुगंधित सामग्री भी चढ़ाएं।

गणगौर

गणगौर पर्व - 11 अप्रैल, 2024

तृतीया तिथि प्रारम्भ - 10 अप्रैल, 2024 को शाम 05:32 बजे

तृतीया तिथि समाप्त - 11 अप्रैल, 2024 को अपराह्न 03:03 बजे

उदया तिथि को मानते हुए गणगौर का पर्व 11 अप्रैल को मनाया जाएगा और इसी दिन चैत्र नवरात्रि का तीसरा दिन है।

गणगौर पर्व का महत्वः कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर शब्द गण और गौर दो शब्दों से मिलकर बना है। जहां 'गण का अर्थ शिव और 'गौर का अर्थ माता पार्वती से है। दरअसल, गणगौर पूजा शिव-पार्वती को समर्पित है। इसलिए इस दिन महिलाओं द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती की मिट्टी की मूर्तियां बनाकर उनकी पूजा की जाती है। इसे गौरी तृतीया के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से महिलाओं को अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। भगवान शिव जैसा पति प्राप्त करने के लिए अविवाहित कन्याएं भी यह व्रत करती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माता पार्वती भगवान शिव के साथ सुहागन महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद देने के लिए भ्रमण करती हैं। महिलाएं परिवार में सुख-समृद्धि और सुहाग की रक्षा की कामना करते हुए पूजा करती हैं।

गणगौर पूजने का गीत

गौर-गौर गोमनी, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आला-गीला,

गौर का सोना का टीका, टीका दे टमका दे रानी, व्रत करियो गौरा दे रानी।

करता-करता आस आयो, वास आयो।

खेरे-खाण्डे लाडू ल्यायो, लाडू ले वीरा न दियो,

वीरो ले मने चूंदड़ दीनी, चूंदड़ ले मने सुहाग दियो।

महाशक्ति की आराधना का पर्व है नवरात्रि

महाशक्ति की आराधना का पर्व है नवरात्रि। तीन हिंदू देवियों- पार्वती, लक्ष्मी और सरस्वती के नौ विभिन्न स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित है, जिन्हें नवदुर्गा के नाम से जाना जाता है। पहले तीन दिन पार्वती के तीन स्वरूपों की अगले तीन दिन लक्ष्मी माता के स्वरूपों और आखिरी के तीन दिन सरस्वती माता के स्वरूपों की पूजा करते हैं। दुर्गा सप्तशती के अन्तर्गत देव दानव युद्ध का विस्तृत वर्णन है। इसमें देवी भगवती और मां पार्वती ने किस प्रकार से देवताओं के साम्राज्य को स्थापित करने के लिए तीनों लोकों में उत्पात मचाने वाले महादानवों से लोहा लिया इसका वर्णन आता है। यही कारण है कि आज सारे भारत में हर जगह दुर्गा यानि नवदुगाओं के मन्दिर स्थपित हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस साल इस बार चैत्र नवरात्रि 9 अप्रैल 2024 से प्रारंभ हो रहे हैं, जिसका समापन 17 अप्रैल होगा। चैत्र नवरात्रि में अबकी बार पूरे नौ दिनों की नवरात्रि होगी। खास बात ये है कि चैत्र नवरात्र के पहले दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग बन रहे हैं। इस समय में घटस्थापना आपके लिए बहुत ही लाभदायक और उन्नतिकारक सिद्ध हो सकता है। हिंदू धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। वर्ष में दो बार चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की विधि विधान से पूजा की जाती है। हालांकि कि गुप्त नवरात्रि भी आती है, लेकिन चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि की लोक मान्यता ज्यादा है। साल में दो बार आश्विन और चैत्र मास में नौ दिन के लिए उत्तर से दक्षिण भारत में नवरात्र उत्सव का माहौल होता है। सम्पूर्ण दुर्गासप्तशती का अगर पाठ न भी कर सकें तो निम्नलिखित श्लोक का पाठ को पढ़ने से सम्पूर्ण दुर्गासप्तशती और नवदुगाओं के पूजन का फल प्राप्त हो जाता है। सर्वमंगलमंगलये शिवे सर्वार्थसाधिके। शरण्ये त्रयम्बके गौरि नारायणि नमोऽतु ते।। शरणांगतदीन आर्त परित्राण परायणे सर्वस्यार्तिहरे देवी नारायणि नमोऽस्तु ते।। सर्वस्वरूपे सवेर्शे सर्वशक्तिसमन्विते। भयेभ्यारत्नाहि नो देवि दुर्गे देवि नमोऽस्तु ते ।। वैसे तो दुर्गा के 108 नाम गिनाये जाते हैं लेकिन नवरात्रों में उनके स्थूल रूप को ध्यान में रखते हुए नौ दुगाओं की स्तुति और पूजा पाठ करने का गुप्त मंत्र ब्रहमा जी ने अपने पौत्र मार्कण्डेय ऋषि को दिया था। इसको देवीकवच भी कहते हैं। देवीकवच का पूरा पाठ दुर्गा सप्तशती के 56 श्लोकों के अन्दर मिलता है। नौ दुगाओं के स्वरूप का वर्णन संक्षेप में ब्रहमा जी ने इस प्रकार से किया है। प्रथमं शैलपुत्री च द्वितीयं ब्रहमचारिणी। तृतीयं चन्द्रघण्टेति कूष्माण्डेति चतुर्थकम्।। पंचमं स्क्न्दमातेति षष्ठं कात्यायनीति च ।सप्तमं कालरात्रीति महागौरीति चाष्टमम् ।नवमं सिद्धिदात्री च नवदुर्गाः प्रकीर्तिताः।।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि उपरोक्त नौ दुगाओं ने देव दानव युद्ध में विशेष भूमिका निभाई है इनकी सम्पूर्ण कथा देवी भागवत पुराण और मार्कण्डेय पुराण में लिखित है। शिव पुराण में भी इन दुगाओं के उत्पन्न होने की कथा का वर्णन आता है कि कैसे हिमालय राज की पुत्री पार्वती ने अपने भक्तों को सुरक्षित रखने के लिए तथा धरती आकाश पाताल में सुख शान्ति स्थापित करने के लिए दानवों राक्षसों और आतंक फैलाने वाले तत्वों को नष्ट करने की प्रतीज्ञा की ओर समस्त नवदुगाओं को विस्तारित करके उनके 108 रूप धारण करने से तीनों लोकों में दानव और राक्षस साम्राज्य का अन्त किया। इन नौदुगाओं में सबसे प्रथम देवी का नाम है शैल पुत्री जिसकी पूजा नवरात्र के पहले दिन होती है। दूसरी देवी का नाम है ब्रहमचारिणी जिसकी पूजा नवरात्र के दूसरे दिन होती है। तीसरी देवी का नाम है चन्द्रघण्टा जिसकी पूजा नवरात्र के तीसरे दिन होती है। चौथी देवी का नाम है कूष्माण्डा जिसकी पूजा नवरात्र के चौथे दिन होती है। पांचवी दुर्गा का नाम है स्कन्दमाता जिसकी पूजा नवरात्र के पांचवें दिन होती है। छठी दुर्गा का नाम है कात्यायनी जिसकी पूजा नवरात्र के छठे दिन होती है । सातवी दुर्गा का नाम है कालरात्रि जिसकी पूजा नवरात्र के सातवें दिन होती है। आठवीं देवी का नाम है महागौरी जिसकी पूजा नवरात्र के आठवें दिन होती है। नवीं दुर्गा का नाम है सिद्धिदात्री जिसकी पूजा नवरात्र के अन्तिम दिन होती है। इन सभी दुगाओं के प्रकट होने और इनके कार्यक्षेत्र की बहुत लम्बी चौड़ी कथा और फेहरिस्त है। लेकिन यहां हम संक्षेप में ही उनकी पूजा अर्चना का वर्णन कर सकेंगे।

हर समस्या का समाधान हैं ये श्लोकः ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि नवरात्र में शक्ति साधना व कृपा प्राप्ति का का सरल उपाय दुर्गा सप्तशती का पाठ है। नवरात्र के दिवस काल में सविधि मां के कलश स्थापना के साथ शतचंडी, नवचंडी, दुर्गा सप्तशती और देवी अथर्वशीर्ष का पाठ किया जाता है। दुर्गा सप्तशती के पाठ के कई विधि विधान है। दुर्गा सप्तशती महर्षि वेदव्यास रचित मार्कण्डेय पुराण के सावर्णि मन्वतर के देवी महात्म्य के 700 श्लोक का एक भाग है। दुर्गा सप्तशती में अध्याय एक से तेरह तक तीन चरित्र विभाग हैं। इसमें 700 श्लोक हैं। दुर्गा सप्तशती के छह अंग तेरह अध्याय को छोड़कर हैं। कवच, कीलक, अर्गला दुर्गा सप्तशती के प्रथम तीन अंग और प्रधानिक आदि तीन रहस्य हैं। इसके अलावा और कई मंत्र भाग है जिसे पूरा करने से दुर्गा सप्तशती पाठ की पूर्णता होती है। इस संदर्भ में विद्वानों में मतांतर है। दुर्गा-सप्तशती को दुर्गा-पाठ, चंडी-पाठ से भी संबोधित करते हैं। चंडी पाठ में छह संवाद है। भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि महर्षि मेधा ने सर्वप्रथम राजा सुरथ और समाधि वैश्य को दुर्गा का चरित्र सुनाया। तदनंतर यही कथा महर्षि मृकण्डु के पुत्र चिरंजीवी मार्कण्डेय ने मुनिवर भागुरि को सुनाई। यही कथा द्रोण पुत्र पक्षिगण ने महर्षि जैमिनी से कही। जैमिनी महर्षि वेदव्यास जी के शिष्य थे।

यही कथा संवाद महर्षि वेदव्यास ने मार्कण्डेय पुराण में यथावत क्रम वर्णन कर लोकोपकार के लिए संसार में प्रचारित की। इस प्रकार दुर्गा सप्तशती में दुर्गा के चरित्रों का वर्णन है। मार्कण्डेय पुराण में ब्रह्माजी ने मनुष्यों के रक्षार्थ परम गोपनीय साधन, कल्याणकारी देवी कवच एवं परम पवित्र उपाय संपूर्ण प्राणियों को बताया, जो देवी के नौ मूर्ति-स्वरूप हैं, जिन्हें 'नव दुर्गा' कहा जाता है। उनकी आराधना आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से महानवमी तक की जाती है। श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ मनोरथ सिद्धि के लिए किया जाता है; क्योंकि श्री दुर्गा सप्तशती दैत्यों के संहार की शौर्य गाथा से अधिक कर्म, भक्ति एवं ज्ञान की त्रिवेणी हैं। यह श्री मार्कण्डेय पुराण का अंश है।

सरकार ने एक मई से 30 जून तक बिना किसी पाबंदी के तरबूज बीज के आयात को दी मंजूरी

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। सरकार ने तरबूज के बीज का एक मई से 30 जून तक बिना किसी पाबंदी के आयात करने की अनुमति दे दी है। यह अनुमति वास्तविक प्रयोगकताओं से लेकर इस जिंस के पात्र प्रसंस्करणकताओं के आधार पर होगी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के अनुसार, तरबूज के बीज के लिए वैध एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण) निमार्ता लाइसेंस के आधार पर ही आयात की अनुमति दी जाएगी। डीजीएफटी की अधिसूचना में कहा गया है कि आयात किए जाने वाले तरबूज के सभी बीज का 'आयात निगरानी प्रणाली' के तहत पंजीकरण अनिवार्य होगा।

सेंसेक्स 75,000 अंक के स्तर को पार करने के बाद फिसला, 59 अंक के नुकसान के साथ बंद हुआ

मुंबई, (एजेंसी)। स्थानीय शेयर बाजारों में रिकॉर्ड तेजी पर मंगलवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 59 अंक के नुकसान में रहा। हालांकि, शुरूआती कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स एक समय पहली बार 75,000 अंक के स्तर को पार कर गया था। वहीं निफ्टी ने भी अपना नया सर्वकालिक उच्चस्तर छुआ था। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 58.80 अंक यानी 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,683.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 381.78 अंक चढ़कर रिकॉर्ड 75,124.28 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 23.55 अंक यानी 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,642.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 102.1 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ अपने अबतक के उच्चतम स्तर 22,768.40 अंक पर पहुंच गया था। सेंसेक्स की कंपनियों में टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, विप्रो और आईटीसी प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, नेस्ले और

महिंद्रा एंड महिंद्रा शामिल हैं। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट में सोमवार को मिला-जुला रुख रहा। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''घरेलू शेयर बाजार कारोबार के दौरान नये शिखर पर पहुंच गया था लेकिन बाद में मुनाफावसूली से यह नुकसान में रहा। इसका कारण अमेरिका में कल जारी होने वाले मुद्रास्फीति के आंकड़ें हैं। इसके आधार पर अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के आने वाले समय में नीतिगत दर में कटौती के बारे में अंदाजा लगेगा।

हाल में उम्मीद से बेहतर रोजगार और विनिर्माण के आंकड़ों को लेकर भी चिंता बढ़ी है। इसको देखने से लगता है कि इस साल नीतिगत दर में कटौती आगे खिसक सकती है।'' शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 684.68 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.18 प्रतिशत चढ़कर 90.54 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। सेंसेक्स सोमवार को 494.28 अंक चढ़ा था जबकि निफ्टी 152.60 अंक के लाभ में रहा था।

अपडेट न्यूज

मारुति सुजुकी ने मानेसर प्लांट की क्षमता में प्रति वर्ष एक लाख इकाई का किया इजाफा

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी मानेसर सुविधा की उत्पादन क्षमता में एक लाख इकाई प्रति वर्ष का विस्तार किया है। मोटर वाहन प्रमुख ने हरियाणा के मानेसर में कार्यरत तीन विनिर्माण संयंत्रों में से मौजूदा प्लांट-ए में एक वाहन 'असेंबली लाइन' जोड़ी है। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने एक बयान में कहा, '' नई वाहन 'असेंबली लाइन' में प्रति वर्ष एक लाख इकाई बनाने की क्षमता है।'' बयान के अनुसार, अतिरिक्त 'असेंबली लाइन' के साथ मानेसर की कुल विनिर्माण क्षमता नौ लाख वाहन प्रति वर्ष हो गई है।

एमएसआई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी तेकुची ने कहा,'' हमारा लक्ष्य अगले सात-आठ वर्षों में अपनी क्षमता को करीब दोगुना करके 40 लाख वाहन प्रति वर्ष करना है। प्रति वर्ष एक लाख वाहनों की यह क्षमता वृद्धि इस लक्ष्य की दिशा में एक कदम है।

न्यूजीलैंड ने कार्य वीजा नियमों को किया और कड़ा, रिकॉर्ड प्रवासियों के आने के बाद लिया फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। न्यूजीलैंड सरकार ने मान्यता प्राप्त नियोक्ता श्रमिक वीजा योजना में तत्काल बदलाव की घोषणा की, जो यह सुनिश्चित करेगा कि देश उन कौशलों को आकर्षित करे जिनकी उसे आवश्यकता है, और प्रवासियों के शोषण की संभावना को कम करेगा। यह तब आया है जब सरकार न्यूजीलैंड में अस्थिर शुद्ध प्रवासन पर प्रतिक्रिया दे रही है। आव्रजन मंत्री एरिका स्टैनफोर्ड ने रविवार को कहा कि अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण की इस सरकार की योजना के लिए हमारी आव्रजन सेटिंग्स को सही करना महत्वपूर्ण है। मान्यता प्राप्त नियोक्ता श्रमिक वीजा (एईडब्ल्यूवी) योजना में बदलाव मुख्य रूप से कम-कुशल रोजगार चाहने वाले व्यक्तियों को प्रभावित करते हैं, जिन्हें अब अधिक सख्त अंग्रेजी-भाषा दक्षता आवश्यकताओं को पूरा करना होगा और वीजा अवधि में पांच साल से घटाकर तीन साल की कमी का सामना करना पड़ेगा। पिछले साल, न्यूजीलैंड में प्रवासियों की लगभग रिकॉर्ड आमद देखी गई, जिसमें लगभग 173,000 लोग देश में चले गए। इसके आलोक में, अधिकांश कार्य वीजा के लिए आवेदकों को अब अधिकांश एईडब्ल्यूवी भूमिकाओं के लिए न्यूनतम कौशल और कार्य अनुभव सीमा को पूरा करना आवश्यक है। स्टैनफोर्ड ने कहा कि बस और ट्रक ड्राइवरों के लिए वर्क टू रेजिडेंस मार्ग भी नए आवेदकों के लिए बंद हो रहा है, क्योंकि इसकी स्थापना के समय ड्राइवरों की जो कमी बताई गई थी, उसे पूरा कर दिया गया है। नियोक्ताओं को अब यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है कि प्रवासी श्रमिक उन्हें काम पर रखने से पहले विशिष्ट योग्यताएं और कौशल पूरा करें। स्टैनफोर्ड ने कहा कि यह एक बेहतर आव्रजन प्रणाली बनाने के लिए अधिक व्यापक कार्य कार्यक्रम की शुरूआत का प्रतीक है। 2022 के अंत के बाद से 5.3 मिलियन लोगों की आबादी वाले न्यूजीलैंड में प्रवासियों में बड़ी वृद्धि देखी गई है। स्टैनफोर्ड ने कहा कि सरकार माध्यमिक शिक्षकों जैसे उच्च कुशल प्रवासियों को आकर्षित करने और बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जहां कौशल की कमी है। उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि न्यूजीलैंडवासियों को उन नौकरियों के लिए कतार में सबसे आगे रखा जाए जहां कौशल की कोई कमी नहीं है। न्यूजीलैंड के प्रधान मंत्री, क्रिस्टोफर लक्सन ने पिछले साल देश की उच्च प्रवासन दर के बारे में चिंता व्यक्त की थी, जो उन्हें "बिल्कुल भी टिकाऊ नहीं लगा।

जेल में इमरान खान की सुरक्षा पर 12 लाख रुपये महीने का खर्च : रिपोर्ट

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान में रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सुरक्षा पर हर महीने 12 लाख रुपये का खर्च आ रहा है। जेल अधिकारियों की ओर से लाहौर उच्च न्यायालय में पेश की गई रिपोर्ट के मुताबिक, 71 वर्षीय खान को जेल परिसर के अंदर विशेष सुविधाएं प्रदान की गई हैं जिसमें पांच लाख रुपये की लागत से पृथक सीसीटीवी प्रणाली शामिल है। यह सात हजार कैदियों की निगरानी करने वाली प्रणाली से अलग है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के मुताबिक, खान का खाना सहायक अधीक्षक की निगरानी में एक अलग रसोई में पकाया जाता है और भोजन परोसे जाने से पहले मेडिकल अधिकारी या उपाधीक्षक उसकी जांच करते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य की जांच और इलाज के लिए 'होली फैमिली हॉस्पिटल' के छह से अधिक डॉक्टरों की टीम वहां मौजूद है। इसके अलावा एक विशेषज्ञ दल उनकी नियमित जांच करता है। खान के पास सात विशेष कोठरी में से दो हैं जबकि पांच अन्य कोठरियों को सुरक्षा कारणों से बंद रखा गया है। इन कोठरियों में करीब 35 कैदियों को रखा जाता है। खान की कोठरी तक पहुंच सीमित है, प्रवेश के लिए अनुमति की जरूरत होती है और उनके वार्ड की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पेशेवर रूप से प्रशिक्षित कर्मियों को नियुक्त किया गया है। खान की सुरक्षा में 15 कर्मी लगे हैं, जिनमें दो सुरक्षा अधिकारी और तीन उनकी निजी सुरक्षा के लिए हैं।

इसके अलावा, जेल परिसर में एक निर्दिष्ट क्षेत्र इमरान खान के टहलने के लिए निर्धारित किया गया है, जहां व्यायाम मशीन और अन्य सुविधाएं हैं। रिपोर्ट में अडियाला जेल की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जेल पुलिस, रेंजर्स और जिला पुलिस के सहयोगात्मक प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई है।

अब गाजा में हो जाएगी शांति!

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हमास ने सोमवार को कहा कि वह काहिरा में बातचीत के बाद संघर्ष विराम और बंधक-कैदियों की अदला-बदली के प्रस्ताव का अध्ययन कर रहा है, क्योंकि इजरायल के रक्षा मंत्री ने कहा कि गाजा में इस्लामी आतंकवादियों के साथ छह महीने के युद्ध के बाद समझौते के लिए यह सही समय है। इजराइल पर युद्धविराम पर सहमत होने के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है, जिसमें उसके शीर्ष सहयोगी और हथियार आपूर्तिकर्ता संयुक्त राज्य अमेरिका भी शामिल है।

सोमवार देर रात वार्ता से जुड़े हमास के एक सूत्र ने कहा कि समूह उस प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है जिसके तहत छह सप्ताह का संघर्ष विराम होगा और 900 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में इजरायली महिलाओं और बाल बंधकों को रिहा किया जाएगा। सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि पहले चरण में उत्तरी गाजा में विस्थापित फिलिस्तीनी नागरिकों की वापसी और उस क्षेत्र में प्रतिदिन 400 से 500 ट्रक खाद्य सहायता की डिलीवरी भी शामिल होगी, जहां संयुक्त राष्ट्र ने आसन्न अकाल की चेतावनी दी है।

कमजोर पड़ने लगा जुंटा विद्रोह

प्रतिरोध ताकतों के हाथों एक और हार का सामना करना पड़ा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत, चीन और बांग्लादेश के साथ सीमा पर प्रमुख क्षेत्रों पर कब्जा करने में उनकी सफलता के बाद, म्यांमार के जुंटा को थाईलैंड के साथ एक महत्वपूर्ण सीमा व्यापार बिंदु, म्यावाडी शहर पर नियंत्रण करने वाली प्रतिरोध ताकतों के साथ एक और हार का सामना करना पड़ा है। पूर्वी कायिन राज्य में एक प्रतिरोध बल, करेन नेशनल यूनियन केएनयू, और पीपुल्स डिफेंस फोर्सेज (पीडीएफ), जो म्यांमार की निर्वासित सरकार का हिस्सा हैं, द्वारा पिछले सप्ताह के हमलों के बाद, प्रतिरोध बलों ने कई सैन्य ठिकानों और एक कमांड सेंटर पर कब्जा कर लिया। म्यावाडी थाईलैंड के साथ भूमि व्यापार के लिए म्यांमार का मुख्य बिंदु था, और प्रतिरोध बलों ने पिछले अक्टूबर में जुंटा के खिलाफ एक समन्वित हमले की शुरूआत के बाद से भारत, चीन और बांग्लादेश के साथ सीमाओं पर प्रमुख व्यापार और क्रॉसिंग बिंदुओं पर कब्जा कर लिया था।

मामले से परिचित लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि म्यावाडी के पतन को जुंटा के लिए

एक और झटके के रूप में देखा जा रहा है, जिससे म्यांमार में अस्थिरता बढ़ेगी। भारतीय अधिकारियों की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई, हालांकि विदेश मंत्रालय ने पहले म्यांमार में हिंसा और अस्थिरता पर चिंता व्यक्त की थी और कहा था कि पड़ोसी देश के घटनाक्रम का भारत की सुरक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ता है। सप्ताहांत में 477 सैनिकों और उनके परिवार के सदस्यों सहित 600 से अधिक लोगों ने प्रतिरोध बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इस संख्या में 67 सैन्य अधिकारी शामिल थे और सैनिकों ने मोर्टार, मशीन गन और सैकड़ों असॉल्ट राइफलों सहित हथियारों का एक बड़ा जखीरा भी आत्मसमर्पण कर दिया।

थाईलैंड सरकार ने म्यांमार के राज्य प्रशासन परिषद (एसएसी) या जुंटा के म्यावाड्डी से सीमा पार स्थित माई सॉट हवाई अड्डे के माध्यम से तीन निकासी उड़ानें शुरू करने के अनुरोध को मंजूरी दे दी। हालाँकि, रविवार को म्यांमार से एक उड़ान माई सॉट पहुंचने के बाद, एसएसी ने शेष उड़ानें रद्द कर दीं। म्यांमार की निर्वासित सरकार की सलाहकार संस्था, नेशनल यूनिटी कंसल्टेटिव काउंसिल (एनयूसीसी) के पार्षद टो क्याव ह्लाइंग ने कहा कि प्रतिरोध बलों ने म्यावाडी क्षेत्र पर लगभग पूरा नियंत्रण ले लिया है।

लश्कर, जैश, हिज्बुल और केटीएफ... आतंकियों की मौत पर रॉ का नाम लेकर रोया पाकिस्तान, मोदी सरकार पर लगे आरोपों पर क्या बोला अमेरिका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर की प्रतिक्रिया तब आई जब उनसे द गार्जियन की उस रिपोर्ट पर वाशिंगटन के रुख के बारे में पूछा गया, जिसमें पाकिस्तानी अधिकारियों का हवाला देते हुए आरोप लगाया गया था कि भारत ने पाकिस्तान की धरती पर आतंकवाद और उग्रवाद से जुड़े लोगों को मार डाला। मिलर इसलिए, हम इस मुद्दे पर मीडिया रिपोर्टों पर नजर रख रहे हैं। अंतर्निहित आरोपों पर हमारी कोई टिप्पणी नहीं है, लेकिन निश्चित रूप से हम इस स्थिति के बीच में नहीं आने वाले हैं। इस महीने की शुरूआत में रिपोर्ट में भारत और पाकिस्तान के खुफिया कार्यकताओं के हवाले से दावा किया गया था कि भारत का कदम विदेशी धरती पर रहने वाले आतंकवादियों को खत्म करने की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा था।

रिपोर्ट को कनाडा के हालिया दावों द्वारा समर्थित किया गया था। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता का आरोप लगाया गया था, जिनकी 18 जून, 2023 को सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बाद में रिपोर्ट के जवाब में विदेश मंत्रालय ने ऐसे सभी आरोपों का खंडन किया और इन्हें "झूठा और दुर्भावनापूर्ण प्रचार" बताया। विदेश मंत्रालय ने द गार्जियन को बताया कि ये आरोप "झूठे और दुर्भावनापूर्ण भारत विरोधी प्रचार" हैं। इसने विदेश मंत्री एस जयशंकर के पिछले बयान को भी रेखांकित किया जिसमें उन्होंने कहा था कि अन्य देशों में लक्षित हत्याएं भारत सरकार की नीति नहीं थी।

ताइवान में भूकंप के बाद चीन की कमर तोड़ने का तगड़ा प्लान एक्टिव

मोदी सरकार ने कर दिया बड़ा धमाका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पिछले वर्ष की दिसंबर तिमाही के दौरान भारत में स्थापित लगभग 30 प्रतिशत नए वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) सेमीकंडक्टर क्षेत्र में थे, जो फ्रंट-एंड डिजाइन, प्रदर्शन परीक्षण जैसे क्षेत्रों में स्थानीय प्रतिभा पूल का लाभ उठाने में बढ़ती रुचि का संकेत देता है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में हालिया जुड़ावों में सिग्नेचर आईपी है, जो नेटवर्क-ऑन-चिप (एनओसी) तकनीक को आगे बढ़ाने पर ध्यान देने के साथ 2021 में स्थापित कंपनी है। इस विस्तार में अग्रणी सिग्नेचर आईपी, एजकोर्टिक्स और एम31 टेक्नोलॉजी कॉर्पोरेशन जैसी नवोन्मेषी कंपनियां हैं, जिनमें से प्रत्येक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में अद्वितीय विशेषज्ञता का योगदान दे रही है। बेंगलुरु और हैदराबाद सेमीकंडक्टर जीसीसी के लिए प्रमुख केंद्र के रूप में उभरे हैं, जो कुल 55 केंद्रों में से दो-तिहाई से अधिक की मेजबानी करते हैं और 50,000 के विशेष कार्यबल को रोजगार देते हैं।

टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट

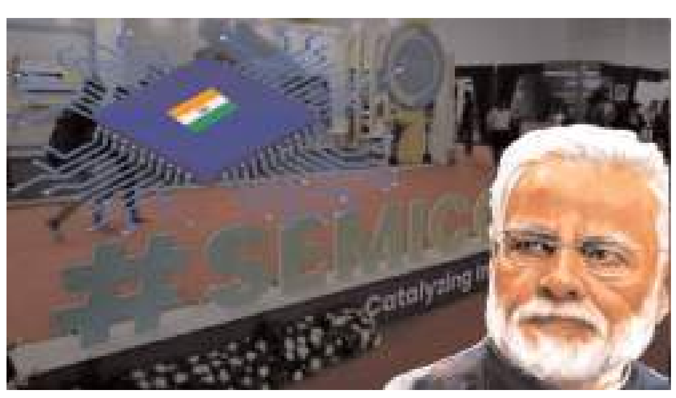

प्राइवेट लिमिटेड 27,000 करोड़ रुपये के निवेश से असम के मोरीगांव में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करेगी। वैष्णव ने यह भी बताया कि सीजी पावर - रेनेसा इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन, जापान और स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, थाईलैंड के साथ साझेदारी में गुजरात के साणंद में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करेगी। साणंद इकाई में 7,600 करोड़ रुपये का निवेश होने का अनुमान है। टाटा द्वारा गुजरात के धोलेरा में जो प्लांट लगाया जाएगा वहां 50 हजार वेफर हर महीने बनेंगे। एक वेफर में 5 हजार चिप होते हैं।

यानी हर महीने 25 करोड़ सेमीकंडक्टर चिप बनेंगे। असम वाले प्लांट में हर दिन 4.80 करोड़ चिप बनाने की क्षमता होगी। गुजरात के साणंद में जो प्लांट बनेगा वहां हर दिन 1.5 करोड़ चिप बनाई जा सकेगी। सेमीकंडक्टर चिप को इलेक्ट्रॉनिक प्रॉडक्ट्स का दिल माना जाता है। स्मार्टफोन्स से लेकर कार, डेटा सेंटर्स, कम्प्यूटर्स, लैपटॉप, टैबलेट, स्मार्ट डेवाइसेज, वीकल्स, हाउसहोल्ड अप्लायंसेज, लाइफ सेविंग फार्मास्यूटिकल डिवाइसेज, एग्रीटेक, एटीएम और कई तरह के उत्पादों में इसका व्यापक इस्तेमाल होता है। चिप आर्टिफिशल इंटेलीजेंस, क्वांटम कम्प्यूटिंग, एडवांस्ड वायरलेस नेटवर्क्स, ब्लॉकचेन एप्लिकेशंस, 5जी, आईओटी, ड्रोन, रोबोटिक्स, गेमिंग और वियरेबल जैसी एमजिंग टेक्नोलॉजीज का अहम हिस्सा हैं। यानी सेमीकंडक्टर चिप मॉडर्न कम्प्यूटेशन के बिल्डिंग ब्लॉक्स हैं। लेकिन चिप बनाने की प्रक्रिया बहुत जटिल है और यह कारोबार कई देशों तक फैला है। चीन अमेरिका की चिप कंपनियों के लिए बड़ा मार्केट है। वहां बड़ी संख्या में ऐसे प्रॉडक्ट्स बनाए, जाते हैं जिनमें सेमीकंडक्टर यानी चिप का व्यापक इस्तेमाल होता है। दुनिया में सेमीकंडक्टर की कुल बिक्री में चीन का एक तिहाई योगदान है। कई कंपनियां तो अमेरिका में चिप बना रही हैं। लेकिन असेंबलिंग और टेस्टिंग के लिए चीन भेजा जाता है।

पहले ही विदेश दौरे पर शहबाज को झटका...

कश्मीर को लेकर क्राउन प्रिंस ने पाकितान को ये क्या कह दिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पाकिस्तान के साथ संयुक्त बयान में सऊदी अरब जम्मू-कश्मीर पर भारत के रुख का समर्थन करता नजर आया. इसने भारत और पाकिस्तान से अपने "बकाये मुद्दों" को द्विपक्षीय रूप से हल करने का आग्रह किया। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद और पाकिस्तान के प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ के बीच बैठक के बाद दोनों देशों ने एक संयुक्त बयान जारी किया। पाकिस्तान के नवनिर्वाचित पीएम शाहवाज शरीफ अपने पहले विदेश दौरे के तहत सऊदी अरब पहुंचे। हालांकि कश्मीर मुद्दे को लेकर सऊदी अरब ने उन्हें झटका दिया है। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने कश्मीर को भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय मुद्दा बताया है। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा है कि इस मुद्दे को भारत और पाकिस्तान को बातचीत से सुलझाना होगा। क्राउन प्रिंस का यह रुख शाहबाज के साथ 7 अप्रैल को हुई। बातचीत के बाद संयुक्त बयान में आया है।

चाह कर भी कोई भारत-रूस की दोस्ती के बीच नहीं आ सका, पुतिन के सबसे घातक हथियार ने दिल्ली में दी दस्तक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तमाम देशों के खिलाफत के बावजूद भारत और रूस के बीच जो व्यापार होता आया है। इस पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। हथियारों को लेकर भारत हमेशा से रूस पर निर्भर रहा है। कई देशों ने इसकी खिलाफत भी की है। मगर कोई भी देश इसके बीच न आ सके। ऐसे में भारतीय सेना को एक बड़े सौदे के तहत 24 रूस निर्मित -एस मैन पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम का पहला बैच 100 मिसाइलों के साथ मिल चुका है। भारत में घरेलू उत्पादन भी शामिल है। भारतीय सेना की बहुत कम दूरी की वायु रक्षा (VSHORAD) क्षमताओं को बढ़ाने के लिए Igla-S प्रणाली का अधिग्रहण किया जा रहा है।

रक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों ने खुलासा किया कि यह खरीद एक महत्वपूर्ण खरीद है, जो 2021 में की गई छोटी आपातकालीन खरीद के विपरीत है। इग्ला-एस एक हाथ से पकड़ी जाने वाली रक्षा प्रणाली है जिसे किसी व्यक्ति या चालक दल द्वारा संचालित किया जा सकता है। इसे कम उड़ान वाले विमानों को गिराने के लिए डिजाइन किया गया है और यह क्रूज मिसाइलों और ड्रोन जैसे हवाई लक्ष्यों को भी पहचान और बेअसर कर सकता है। द डिफेंस पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, इग्ला-एस प्रणाली में 9M342 मिसाइल, 9P522 लॉन्चिंग तंत्र, 9V866-2 मोबाइल परीक्षण स्टेशन और 9F719-2 परीक्षण सेट शामिल हैं। ये घटक व्यापक वायु रक्षा समाधान प्रदान करने के लिए मिलकर काम करते हैं। भारत ने पिछले साल नवंबर में रूस के साथ 120 लॉन्चर और 400 मिसाइलों के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे।

अमेरिका में एक महीने से लापता भारतीय छात्र की मिली लाश

आखिर क्यों यूएस में भारत के छात्रों को बनाया जा रहा है निशाना

ओहियो, (एजेंसी): हैदराबाद का एक भारतीय छात्र मोहम्मद अब्दुल अरफात, एक महीने से अमेरिका में लापता था, ओहियो के क्लीवलैंड में मृत पाया गया। न्यूयॉर्क में भारतीय दूतावास ने एक्स पर उनकी दुखद मौत की खबर की पुष्टि की और परिवार के सदस्यों को आश्वासन दिया कि वह अरफात की मौत की गहन जांच के लिए स्थानीय एजेंसियों के साथ समन्वय करेगा। गौरतलब है कि 25 वर्षीय अरफात ओहियो की क्लीवलैंड यूनिवर्सिटी में इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी का छात्र था। भारतीय दूतावास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट पर पुष्टि की, "यह जानकर दुख हुआ कि श्री मोहम्मद अब्दुल अरफात, जिनके लिए खोज अभियान चल रहा था, क्लीवलैंड, ओहियो में मृत पाए गए। श्री मोहम्मद अरफात के परिवार के प्रति हमारी गहरी संवेदना है। इसके अलावा, यह दावा किया गया कि छात्र की मौत की गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए अधिकारी स्थानीय एजेंसियों के संपर्क में हैं। इसमें कहा गया है, "हम उनके पार्थिव शरीर को भारत लाने के लिए शोक संतप्त परिवार को हर संभव सहायता दे रहे हैं।" इससे पहले 18 मार्च को दूतावास ने पुष्टि की थी कि उन्हें लापता भारतीय छात्र के बारे में पता है और उन्होंने कहा था कि अधिकारी अराफ्थ का पता लगाने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहे हैं। हालाँकि इसमें हैदराबाद में उनके माता-पिता को फिरौती के लिए कॉल आने के बारे में कोई शब्द नहीं बताया गया, लेकिन कई मीडिया ने बताया कि परिवार के सदस्यों को अज्ञात लोगों से फोन आया, जिन्होंने 1,200 डॉलर की फिरौती मांगी, जो भारतीय मुद्रा में लगभग एक लाख है। अज्ञात कॉलर ने अब्दुल के पिता को बताया कि क्लीवलैंड में ड्रग विक्रेताओं ने उसका अपहरण कर लिया है। दरअसल, फोन करने वाले ने रकम न देने पर उसके पिता को किडनी बेचने की चेतावनी दी थी।

मुझे एक अज्ञात नंबर से फोन आया, और फोन करने वाले ने मुझे बताया कि मेरे बेटे का अपहरण कर लिया गया है और पैसे की मांग की। फोन करने वाले ने भुगतान के तरीके का उल्लेख नहीं किया, लेकिन सिर्फ राशि का भुगतान करने के लिए कहा। जब मैंने फोन करने वाले से हमें अनुमति देने के लिए कहा अरफात के पिता मोहम्मद सलीम ने हैदराबाद में पीटीआई को बताया, "मेरे बेटे से बात करने से उसने इनकार कर दिया। घबराए परिवार के सदस्यों ने अमेरिका में अपने रिश्तेदारों को सूचित किया जिन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। क्लीवलैंड पुलिस द्वारा जारी एक पोस्टर में, पुलिस ने अपने निगरानी आदेश में कहा कि अब्दुल ने सफेद टी-शर्ट, लाल जैकेट और नीली जींस पहनी हुई थी। उस वक्त हताश परिवार ने शिकागो में इंडियन काउंसिल से भी अपील की थी कि उनके बेटे को ढूंढने में उनकी मदद की जाए। संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय छात्रों पर हो रही मौतों और हमलों की श्रृंखला में अपहरण और मौतों की नवीनतम रिपोर्ट आई है। अकेले 2024 में, कम से कम नौ छात्र मारे गए और कई अन्य को गंभीर हमलों का सामना करना पड़ा। इससे पहले जनवरी में, 19 वर्षीय नील आचार्य, जिसके लापता होने की सूचना मिली थी, पर्ड्यू यूनिवर्सिटी वेस्ट लाफायेट परिसर में मृत पाया गया था। आचार्य अमेरिकी नागरिक थे. अधिकारियों ने कहा है कि आचार्य पर शव परीक्षण के दौरान कोई आघात या महत्वपूर्ण चोटें नहीं पाई गईं और "इस समय किसी भी तरह की गड़बड़ी का संदेह नहीं है"। इस साल जनवरी में, 25 वर्षीय भारतीय छात्र विवेक सैनी को जॉर्जिया में एक बेघर नशेड़ी ने पीट-पीट कर मार डाला था।

इसी तरह, एक अन्य भारतीय छात्र, सैयद मजाहिर अली, जो हैदराबाद का रहने वाला था और सूचना प्रौद्योगिकी में मास्टर की पढ़ाई कर रहा था, का शिकागो में तीन अज्ञात लोगों ने पीछा किया और बेरहमी से हमला किया। संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय छात्रों पर हमलों की एक श्रृंखला के बीच, बिडेन प्रशासन के एक शीर्ष दूत ने प्रतिक्रिया व्यक्त की और आश्वासन दिया कि अमेरिकी सरकार भारतीय प्रवासियों के लिए जगह को सुरक्षित बनाने के लिए काम कर रही है। भारत में अमेरिकी राजदूत, एरिक गासेर्टी ने भारतीय छात्रों की "दुर्भाग्यपूर्ण" मौतों को स्वीकार किया और इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रपति जो बिडेन के नेतृत्व वाली सरकार सुरक्षा एजेंडे को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए देश को अध्ययन के लिए एक शानदार जगह बनाना सुनिश्चित करेगी। कार्यक्रम से इतर राजदूत गासेर्टी ने कहा, "कोई भी त्रासदी होने पर हमारा दिल हमेशा द्रवित हो जाता है, चाहे वह किसी की जान ले ली गई हो या कोई हिंसा हो, चाहे वे कोई भी हों।"

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में ट्रक ने दो मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, दो युवकों की मौत

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में धार रोड पर मंगलवार को तेज गति से गुजर रहे एक ट्रक ने दो मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे दो युवकों की मौत हो गयी जबकि दो अन्य व्यक्ति घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में जान गंवाने वाले 24 और 26 साल के दो युवा चैत्र नवरात्र के प्रारंभ होने पर पूजा-अर्चना करने दो मोटरसाइकिल से सुकराला माता मंदिर जा रहे थे, लेकिन दूधार नाला के पास एक ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। यह ट्रक कश्मीर जा रहा था।

अपडेट न्यूज

सपा के गढ़ में यादव वोट बैंक की सियासत को धार देगी भाजपा

लखनऊ, (एजेंसी)। मैदान चाहें खेल का हो या फिर चुनावी जंग का, प्रबल प्रतिद्वंदी को उसी के दांव से हराने का मजा ही कुछ और होता है। इसके लिये काफी मेहनत करनी पड़ती है तो दांवपेंच भी खूब चले जाते हैं। ऐसा ही नजारा समाजवादी पार्टी के मजबूत गढ़ मैनपुरी एवं फिरोजाबाद में देखने को मिल रहा है। सपा के सबसे मजबूत गढ़ों को ढहाने के लिए भाजपा भी उस यादव वोट बैंक में सेंधमारी का दांव खेल रही है, जिस पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव को काफी गरूर है। इसके लिए बीजेपी ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को सियासी अस्त्र के रूप में आगे किया है। मैनपुरी, फिरोजाबाद आदि सीटों पर बीजेपी मोहन यादव की सभाएं तो करेगी हीं, भाजपा अपने इस स्टार प्रचार से ऐसे क्षेत्रों में घर-घर जनसंपर्क कराने की रणनीति भी तैयार कर रही है जहां यादव वोटर बड़ी संख्या में मौजूद हैं। इन सीटों की बात की जाये तो मैनपुरी लोकसभा सीट को सपा का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता है। बीते 10 चुनावों से सपा यहां अजेय रही है। कारण, लोकसभा क्षेत्र में यादव मतदाताओं की बहुलता को माना जाता है। यहां चार लाख से अधिक यादव मतदाता हैं। उधर, फरोजाबाद सीट पर यादव मतदाताओं की संख्या चार लाख से अधिक मानी जाती है। एटा में यादव निर्णायक स्थिति में तो नहीं हैं, परंतु संख्या बल ठीकठाक है। भाजपा का सबसे ज्यादा जोर मैनपुरी और फिरोजाबाद लोकसभा सीट पर है। मैनपुरी सीट भाजपा वर्ष 2014 और 2019 की मोदी लहर में भी नहीं जीत पाई थी। इस बार भाजपा अपने अन्य वर्गों के मतदाताओं के साथ यादव मतों का साथ पाने की बड़ी तैयारी में लगी है। भाजपा नेताओं के मुताबिक, मैनपुरी सीट पर मोहन यादव की सभाओं और समय के लिए हाईकमान से अनुरोध किया जा चुका है। जसवंतनगर और करहल क्षेत्र में उनकी जनसभाएं करानी हैं।

इसके अलावा दो से तीन दिन इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों के यादव बाहुल्य इलाकों में डोर टू डोर जनसंपर्क कराने की कोशिश होगी। मोहन यादव से प्रचार कराने का यही फामूर्ला फिरोजाबाद, एटा और अन्य यादव बहुल सीटों पर अपनाया जाएगा। जिसका फायदा अगर बीजेपी को मिल गया तो भविष्य के लिए भी अखिलेश की राह मुश्किल हो जायेगी।

पूरी रात पुलिस थाने में धरने पर बैठे रहे

टीएमसी नेता, पुलिस ने कहा- जाने की आजादी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में नाटकीय दृश्य सामने आए, जब चुनाव आयोग (ईसी) कार्यालय के बाहर धरने के दौरान हिरासत में लिए गए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेताओं ने अपना विरोध जारी रखा और परिसर से हटने से इनकार कर दिया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि टीएमसी नेता रिहा होने के बावजूद मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन छोड़ने से "इनकार" कर रहे हैं।

पुलिस ने कहा कि उन्होंने सांसद डेरेक ओ'ब्रायन और डोला सेन समेत 10 टीएमसी नेताओं को सोमवार रात ही रिहा कर दिया था, लेकिन वे रात भर वहीं रुके रहे और अपना धरना जारी रखा। मंगलवार सुबह दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज और टीएमसी सांसद सागरिका घोष के नेतृत्व में आप के एक प्रतिनिधिमंडल को टीएमसी नेताओं से मिलने के लिए पुलिस स्टेशन में प्रवेश करने से रोक दिया गया। दिल्ली पुलिस के डीसीपी देवेश कुमार महला ने कहा कि हिरासत में लिए गए 10 टीएमसी नेताओं को सोमवार शाम 6 बजे रिहा कर दिया गया, लेकिन वे पुलिस स्टेशन परिसर नहीं छोड़ रहे थे। डीसीपी ने कहा कि पुलिस स्टेशन का इस्तेमाल राजनीति के लिए नहीं किया जाना चाहिए। दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए, टीएमसी सांसद डोला सेन ने कहा कि पुलिस शुरू में हिरासत में लिए गए नेताओं को जाफरपुर पुलिस स्टेशन ले जा रही थी, जो दिल्ली के बाहरी इलाके में है। उन्होंने दावा किया कि विरोध प्रदर्शन के बाद नेताओं को मंदिर मार्ग थाने लाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि नेताओं को दोपहर 12.30 बजे जाने के लिए कहा गया था, शाम 6 बजे नहीं।

इससे पहले दिन में आप ने कहा कि दिल्ली पुलिस उनके प्रतिनिधिमंडल को हिरासत में लिए गए टीएमसी नेताओं से मिलने से इनकार कर रही है। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि केंद्र लोकसभा चुनाव में विपक्ष को चुप कराना चाहता है। प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय जांच ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी और आयकर विभाग के नेतृत्व में बदलाव की मांग को लेकर 10 सदस्यीय टीएमसी प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को चुनाव आयोग के कार्यालय के बाहर 24 घंटे का धरना शुरू किया। बाद में नेताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया और बलपूर्वक साइट से हटा दिया। दृश्यों में पुलिस को कुछ नेताओं को बस में घसीटते हुए दिखाया गया।

सांगली को लेकर आर-पार की नौबत के बाद उद्धव ने बाजी मार ही ली

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शिव सेना (यूबीटी) से ताल्लुक रखने वाले चंद्रहार पाटिल महा विकास अघाड़ी के उम्मीदवार के रूप में सांगली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। उनका मुकाबला भाजपा के मौजूदा सांसद संजयकाका पाटिल से होगा। कांग्रेस ने भिवंडी सीट भी छोड़ दी है, जिस पर शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा चुनाव लड़ेगी। एमवीए ने 21-17-10 फॉमूर्ला अपनाया है। शिवसेना (यूबीटी) 21, कांग्रेस 17 और एनसीपी (एस-पी) 10 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग के बाद मुंबई में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में महा विकास अघाड़ी के नेताओं ने चंद्रहार पाटिल के नाम पर मुहर लगा दी। उद्धव ठाकरे के सांगली जाने और चंद्रहार पाटिल की उम्मीदवारी की घोषणा के बाद कांग्रेस और सेना के बीच टकराव हो गया था। कांग्रेस ने तुरंत इस फैसले का विरोध किया था, यह तर्क देते हुए कि सांगली पार्टी का पारंपरिक गढ़ रहा है और इस निर्वाचन क्षेत्र में उसके दो विधायक हैं, जबकि सेना के पास एक भी नहीं है। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री वसंतदादा पाटिल के पोते विशाल पाटिल के नाम की घोषणा की गई। दूसरी ओर, सेना ने तर्क दिया कि उसने कोल्हापुर और रामटेक लोकसभा सीटों से नाता तोड़ लिया है और इसलिए वह इन दोनों के बदले में कम से कम सांगली सीट हासिल करना चाहती है। सांगली विधायक विश्वजीत कदम के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने कांग्रेस आलाकमान से संपर्क किया था और इसे सेना नेतृत्व के साथ उठाने का आग्रह किया था। हालाँकि, सेना दृढ़ रही। शांति समझौते के तहत विशाल पाटिल को राज्यसभा भेजने का वादा किया गया. सेना ने यह भी चेतावनी दी थी कि अगर सांगली सीट पर बाधाएं पैदा की गईं तो इसका असर पूरे महाराष्ट्र में महसूस किया जाएगा।

कोलकाता के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी अफवाह : पुलिस

कोलकाता, (एजेंसी)। कोलकाता पुलिस ने मंगलवार को कहा कि कोलकाता के कई स्कूलों को मिली बम की धमकी अफवाह थी और भेजने वाले के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने अभिभावकों से भी शांत रहने का आग्रह किया और उन्हें उनके बच्चों की सुरक्षा का आश्वासन दिया। शहर के कई प्रतिष्ठित स्कूलों को रविवार रात एक अज्ञात व्यक्ति से ईमेल प्राप्त हुए थे, जिसमें दावा किया गया था कि कक्षा में बम रखे गए थे।

किसके इशारे पर काम कर रही ईडी-सीबीआई

बंगाल में मोदी-ममता के बीच आर-पार की लड़ाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के सियासत अब तूफान पर है। लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक प्रचार जोर पकड़ चुका है। पश्चिम बंगाल में सभी सात चरणों में वोट डाले जाने हैं। 19 अप्रैल को इसकी शुरूआत भी होगी। बंगाल में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच मुकाबला है और यही कारण है कि ममता बनर्जी और नरेंद्र मोदी की सियासी लड़ाई एक बार फिर से जबरदस्त तरीके से देखने को मिल रही है। नरेंद्र मोदी ने भी बंगाल में अपने रैलियों की शुरूआत कर दी है तो वहीं ममता बनर्जी भी लगातार अपना संबोधन दे रही हैं। भाजपा जहां पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था और महिलाओं की स्थिति को लेकर तृणमूल कांग्रेस पर हमलावर है। तो वहीं ममता बनर्जी लोकतंत्र और जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का हवाला देते हुए केंद्र की सरकार पर निशाना साध रही है।

नरेन्द्र मोदी ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार और हिंसा की खुली छूट चाहती है और यही वजह है कि ऐसे मामलों की जांच कर रही केंद्रीय एजेंसियों को राज्य में हमलों का सामना करना पड़ता है। जलपाईगुड़ी में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल में 'टीएमसी का सिंडिकेट राज' कायम है और पार्टी केवल अपने भ्रष्ट नेताओं को बचाने में रुचि रखती है।

उन्होंने कहा, ''तृणमूल कांग्रेस सरकार बंगाल में लूटपाट और आतंक के लिए खुली छूट चाहती है। तृणमूल कांग्रेस अपने जबरन वसूली करने वाले और भ्रष्ट नेताओं को बचाने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों के यहां आने पर उन पर हमले की साजिश रचती है।'' पुरुलिया जिले में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और आयकर विभाग जैसी एजेंसियां भाजपा के ''हथियार'' के रूप में काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''टीएमसी नेताओं को परेशान करने के लिए एनआईए, ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। वे बिना किसी पूर्व सूचना के छापेमारी कर रहे हैं और घरों में घुस रहे हैं। जब रात में सभी लोग सो रहे हों और कोई उनके घर में घुस जाए तो महिलाएं क्या करेंगी?'' उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी की एक जेब में एनआईए और सीबीआई है और दूसरी जेब में ईडी और इनकम टैक्स है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी के बीच सियासी घमासान छिड़ा रहता है। बंगाल राजनीतिक रूप से काफी अहम है क्योंकि यहां लोकसभा की 42 सीटें हैं। 2019 के चुनाव में भाजपा ने इनमें से 18 सीटों पर जीत हासिल की थी। एक तरीके से यह बीजेपी का शानदार प्रदर्शन था। इसी तरीके की उम्मीद भाजपा इस बार के चुनाव में कर रही है। दूसरी ओर ममता बनर्जी का दावा है कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में जिस तरीके से टीएमसी ने भाजपा को हराया था, ठीक इस पर भी वैसा ही होगा। 2021 की विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी ने बुरी तरीके से बीजेपी को परास्त किया था। इतना ही नहीं, विपक्ष के तमाम नेताओं में से ममता बनर्जी पीएम मोदी को लगातार चुनौती देती रहती हैं। इसलिए दोनों की सियासी लड़ाई चर्चा के केंद्र में बनी रहती है।

हम इस फैसले से सहमत नहीं हैं

हाई कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट जाएगी आप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आप नेता और दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे, हमें सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा है कि जैसे सुप्रीम कोर्ट से संजय सिंह को राहत मिली वैसे ही सुप्रीम कोर्ट से अरविंद केजरीवाल को भी राहत मिलेगी। आज हाई कोर्ट का फैसला आया है उसका हम सम्मान करते हैं और सम्मानपूर्वक कहते हैं कि हम इस फैसले से सहमत नहीं हैं और इसके खिलाफ हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे और वहां अपनी बात रखेंगे।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने ट्वीट करते हुए कहा कि मुजरिम मुजरिम होता है। देश में हर किसी को भारत के कानून का पालन करना होगा। आज माननीय न्यायालय के आदेश ने आप के गैंग लीडर को आईना दिखा दिया है, ईडी द्वारा एकत्र किए गए सबूत बताते हैं कि सरगना अरविंद केजरीवाल हैं। आप बेनकाब हो गई है। इससे पहले दिन में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने केजरीवाल की याचिका खारिज करते हुए कहा कि ईडी के पास पर्याप्त सामग्री थी जिसके कारण उन्हें गिरफ्तार करना पड़ा। अदालत ने कहा कि मुख्यमंत्री की वजह से हुई देरी का असर उन लोगों पर भी पड़ा जो हिरासत में थे। अदालत ने आगे कहा कि इस अदालत की राय है कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसकी गिरफ्तारी और रिमांड की जांच कानून के अनुसार की जानी चाहिए, न कि चुनाव के समय के अनुसार। न्यायमूर्ति स्वर्णकांत शर्मा की पीठ ने कहा, ईडी की ओर से किसी भी दुर्भावना के अभाव में आम चुनाव से पहले गिरफ्तारी के समय को लेकर केजरीवाल की चुनौती टिकाऊ नहीं है।

उत्तर प्रदेश में प्रथम चरण की आठ सीटों पर 28 दागी

दागियों को टिकट देने में बसपा अव्वल

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में प्रथम चरण के मतदान में दस दिन का समय बचा है। 17 अप्रैल को चुनाव प्रचार थम जायेगा और 19 अप्रैल को मतदान होगा। प्रथम चरण में पश्चिमी यूपी की आठ सीटों सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत पर मतदान होना है, जिसमें बीजेपी के संजीव बालियान, जितिन प्रसाद की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। केंद्रीय राज्यमंत्री संजीव बालियान मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट से फिर मैदान में उतरे हैं। वह दो बार लोकसभा का चुनाव जीत चुके हैं। इस बार उनका इरादा तो हैट्रिक लगाने का है, लेकिन इसमें वह कितना सफल होंगे, यह परिणाम बताएंगे। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में प्रदेश की जिन सीटों पर मतदान होगा, उन पर ताल ठोंकने वाले वह केंद्र सरकार के इकलौते मंत्री हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में उन्होंने कड़े मुकाबले में रालोद के मुखिया चौधरी अजित सिंह को शिकस्त दी थी। यूपी की आठ लोकसभा सीटों के लिए हो रहे पहले चरण के चुनाव में 80 प्रत्याशी मैदान में हैं। 80 उम्मीदवारों में 73 पुरुष व सात महिला हैं। कैराना में सबसे अधिक 14 व सबसे कम छह-छह प्रत्याशी नगीना व रामपुर लोकसभा सीट में हैं। पीलीभीत से वरूण गांधी का टिकट काट कर बीजेपी ने शाहजहांपुर के बड़े राजनीतिक घराने के वारिस जितिन प्रसाद को मैदान में उतारा है। योगी सरकार के एकमात्र कैबिनेट मंत्री हैं, जिन्हें भाजपा ने लोकसभा चुनाव में टिकट थमाया है। वह भी उस पीलीभीत सीट से जो अरसे से गांधी परिवार की छोटी बहू मेनका गांधी और उनके पुत्र वरुण गांधी को आशीर्वाद देती आई है। वरुण का टिकट काटकर भाजपा ने इस बार जितिन पर भरोसा जताया है। वह जून 2021 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। भाजपा ने उन्हें एमएलसी बनाने के साथ योगी सरकार के पहले कार्यकाल में प्राविधिक शिक्षा मंत्री बनाया था। योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल में उन्हें लोक निर्माण विभाग का जिम्मा सौंपा गया। कांग्रेस में रहते हुए जितिन ने 2004 में शाहजहांपुर और 2009 में धौरहरा से लोकसभा चुनाव जीते थे और केंद्र की तत्कालीन मनमोहन सरकार में राज्य मंत्री बने थे। सहारनपुर के मशहूर काजी खानदान के वारिस इमरान मसूद अपने गृह जिले की लोकसभा सीट से बतौर कांग्रेस उम्मीदवार संसद पहुंचने की तैयारी में जुटे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री काजी रशीद मसूद के भतीजे इमरान सहारनपुर नगर पालिका परिषद के चेयरमैन और यहां की मुजफ्फराबाद (अब बेहट) सीट से 2007 में निर्दल विधायक चुने गए थे लेकिन इसके बाद से अब तक उन्हें चुनावी सफलता का इंतजार है। वर्ष

2012 में उन्होंने नकुड़ सीट से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा लेकिन हार गए। 2014 के लोकसभा चुनाव में वह बतौर कांग्रेस प्रत्याशी भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेन्द्र मोदी को लेकर अपने आपत्तिजनक बयान के कारण विवादों में घिरे और चुनाव हार गए। 2019 के लोकसभा चुनाव में भी उन्हें सफलता नहीं मिली तो 2022 के विधान सभा चुनाव से पहले वह सपा की साइकिल पर सवार हो गए। वहां कुछ हासिल न हुआ तो बसपा में चले गए। बसपा से निष्कासित होने पर वापस कांग्रेस में आए हैं। यह बात और है कि पहले दोनों प्रयासों में उन्हें सफलता नहीं मिल पाई। कैराना लोकसभा सीट पर यहां के चर्चित हसन परिवार की बेटी इकरा हसन राजनीतिक विरासत को बढ़ाने के लिए बतौर सपा प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इकरा भले ही अपना पहला चुनाव लड़ रही हों, लेकिन वर्ष 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने तब सलाखों के पीछे कैद अपने भाई नाहिद हसन के चुनाव प्रबंधन की कमान संभाली थी। नाहिद लगातार तीन बार से कैराना से सपा के विधायक हैं। लंदन विश्वविद्यालय से इंटरनेशनल ला एंड पालिटिक्स में परास्नातक इकरा के परिवार का राजनीति से पुराना नाता रहा है। उनके दादा अख्तर हसन 1984 में कैराना से सांसद चुने जा चुके हैं। उनके दिवंगत पिता मुनव्वर हसन को संसद और विधानमंडल के दोनों सदनों के प्रतिनिधित्व का गौरव प्राप्त है। पिता के न रहने पर राजनीति में कदम रखने वाली उनकी मां तबस्सुम हसन भी दो बार कैराना से सांसद निर्वाचित हो चुकी हैं। नगीना लोकसभा सीट से अंबेडकरवादी कार्यकर्ता और अधिवक्ता चंद्रशेखर आजाद भी प्रदेश में अठारहवीं लोकसभा के चुनाव रण में उतरे चर्चित चेहरों में से एक हैं। वह नगीना (अनुसूचित जाति) सीट से आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी हैं। पहले भीम आर्मी और बाद में आजाद समाज पार्टी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद वर्ष 2017 में सहारनपुर में दलितों और ठाकुरों के बीच हुए हिंसक संघर्षों के दौरान पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारी से चर्चा में आए थे। बुलंदशहर लोकसभा सीट पर भी प्रथम चरण में मतदान होना है जहां से बसपा सांसद गिरीश चंद्र पार्टी के 10 लोकसभा सदस्यों में इकलौते सांसद हैं जिनका टिकट न काटते हुए बसपा अध्यक्ष मायावती ने उन्हें अठारहवीं लोकसभा के चुनाव में फिर प्रत्याशी बनाया है। सत्रहवीं लोकसभा में वह नगीना (अनुसूचित जाति) सीट से चुनाव जीते थे लेकिन इस बार पार्टी ने उन्हें बुलंदशहर सीट से मैदान में उतारा है। पहले चरण में 80 प्रत्याशियो में से 28 दागी उम्मीदवार हैं। दागियों को टिकट देने में बसपा सुप्रीमो मायावती सबसे आगे हैं। मायावती के आठ में पांच उम्मीदवार पर आपराधिक मुकदमें दर्ज है। इस तरह से बसपा के कुल 63 फीसद प्रत्याशी दागी हैं। इस लिस्ट में बीजेपी, सपा और कांग्रेस समेत दूसरे दलों के नेता भी शामिल हैं। दूसरे ने नंबर पर बीजेपी और समाजवादी पार्टी दोनों आते हैं। दोनों दलों के सात में तीन-तीन उम्मीदवार आपराधिक मुकदमों का सामना कर रहे हैं। वहीं जय समता पार्टी के दो में दो उम्मीदवार यानी सौ फीसद प्रत्याशी दागी है तो वही रालोद, कांग्रेस और आजाद समाज पार्टी के एक-एक उम्मीदवार पर भी मुकदमे दर्ज हैं। इन 28 उम्मीदवारों में से 23 के खिलाफ कई गंभीर मामले में दर्ज हैं। अपने हलफनामे में दी गई जानकारी के मुताबिक आजाद समाज पार्टी के मुखिया और भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद का नाम सबसे ऊपर है। उनके खिलाफ सबसे ज्यादा 36 मुकदमे दर्ज हैं। चंद्रशेखर पश्चिमी यूपी की नगीना सीट से चुनाव लड़ रहे है। दूसरे नंबर पर सहारनपुर से कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद का नाम है। उन पर आठ मामले दर्ज है और तीसरे नंबर पर रामपुर सीट से अल्पसंख्यक डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रत्याशी अरशद वारसी का नाम है उन पर छह मामले दर्ज है।

पहले चरण में करोड़पति उम्मीदवारों की बात की जाए तो 80 में से 34 उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनमें बसपा के आठ में सात, सपा के सात में से पांच, बीजेपी के सभी सात और कांग्रेस के एक में एक करोड़पति उम्मीदवार है। सहारनपुर से बसपा प्रत्याशी माजिद अली सबसे अमीर प्रत्याशी हैं।

पहले मिले गले, फिर गोद में उठाया

लंबे समय बाद मिले संजय सिंह-भगवंत मान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्पाद शुल्क मामले में जमानत मिलने के बाद कुछ दिन पहले दिल्ली की तिहाड़ जेल से रिहा हुए आम आदमी पार्टी (आप) नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री भगवंत मान से मुलाकात की। जेल से रिहा होने के बाद संजय सिंह का यह पहला पंजाब दौरा था। भगवंत मान के आवास पर पहुंचने पर आप के दोनों नेता गर्मजोशी से गले मिले, जबकि संजय सिंह को भी 'भाईचारे' के भाव में मुख्यमंत्री को उठाते देखा गया। राज्यसभा सांसद ने मान की बेटी को आशीर्वाद भी दिया।

आप के दोनों नेता पार्टी विधायकों सहित अन्य लोगों के साथ आगामी लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा करेंगे, क्योंकि आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कथित शराब नीति घोटाला मामले में जेल में हैं। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आप के प्रचार की जिम्मेदारी संजय सिंह, भगवंत मान, आतिशी, सौरभ भारद्वाज और अन्य आप नेताओं पर आ गई है। आम आदमी पार्टी के दो प्रमुख शीर्ष नेता - अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसौदिया - उत्पाद शुल्क मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं।

आगामी लोकसभा चुनाव में आप मुख्य रूप से दिल्ली, पंजाब और गुजरात के अलावा कुछ और सीटों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस बीच, केजरीवाल की पत्नी सुनीता भी सक्रिय हो गई हैं और वह नियमित वीडियो बैठकों में अपने कार्यकताओं और दिल्ली के लोगों के लिए केजरीवाल के संदेशों को पढ़ रही हैं। 31 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ विपक्ष की एकता रैली में वह भी मौजूद थीं।

'चूर-चूर हुआ आप का अहंकार', केजरीवाल की याचिका खारिज होने पर बोली भाजपा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा उत्पाद शुल्क नीति मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली सीएम अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज होने के बाद, राज्यसभा सांसद और भाजपा के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आम आदमी पार्टी का अहंकार चकनाचूर हो गया है। अरविंद केजरीवाल का पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि स्वघोषित कट्टर ईमानदार का किरदार धारदार तथ्यों के साथ पूरी तरह तार-तार हो गया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने कहा है कि ED ने जो साक्ष्य दिए हैं, उससे साफ होता है कि अरविंद केजरीवाल शराब नीति बनाने में प्रथम सूत्रधार थे।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज हमारे सामने जो तीखे तथ्य उभर कर सामने आए हैं, उन्होंने केजरीवाल के स्वयंभू 'कट्टर ईमानदार' चरित्र को पूरी तरह से कलंकित कर दिया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने आज सीएम अरविंद केजरीवाल की ईडी गिरफ्तारी को वैध ठहराते

हुए जो फैसला सुनाया है, उससे आम आदमी पार्टी का अहंकार पूरी तरह से चकनाचूर हो गया है। उन्होंने कहा कि ईडी द्वारा एकत्र की गई सामग्री से पता चलता है कि केजरीवाल ने साजिश रची और उत्पाद शुल्क नीति तैयार करने में शामिल थे और अपराध की आय का इस्तेमाल किया। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि वह व्यक्तिगत हैसियत से, नीति निर्माण और रिश्वत मांगने में भी शामिल हैं और दूसरे, आप के राष्ट्रीय संयोजक की हैसियत से भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल की याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह कानून से बंधा है, न कि राजनीतिक विचारों से। कोर्ट ने कहा कि राजनीतिक विचारों और समीकरणों को इसमें नहीं लाया जा सकता... कोर्ट केवल संवैधानिक नैतिकता को कायम रखने से चिंतित है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उस याचिका को मंगलवार को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। केजरीवाल को संबंधित मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने फैसला सुनाते हुए कहा, अदालत का मानना है कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन नहीं है। रिमांड को अवैध नहीं ठहराया जा सकता। केजरीवाल वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं।

इंडी गठबंधन का खेल बिगाड़ सकते हैं आजाद पार्टी के चन्द्रशेखर आजाद

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की नगीना लोकसभा सीट इस बार काफी सुर्खियों में है। यहां मुकाबला चतुष्कोणीय है। इसकी वजह है चार साल पहले बनी आजाद समाज पार्टी, जिसके अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद जो इस सीट से पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट पर पार्टी ने पूरा दम लगाया हुआ है। लेकिन सपा-बसपा के प्रत्याशी आने से यहां दलित मुस्लिम वोट का बंटवारा हो सकता है, जिसका सीधा फायदा बीजेपी को मिलने की उम्मीद है। गौरतलब हो, नगीना लोकसभा सीट पर दलित और मुस्लिम वोटर्स निर्णायक भूमिका में है। परिसीमन के बाद 2008 में ये सीट अस्तित्त्व में आई थी, तब से अब तक यहां से सपा, भाजपा और बसपा के सांसद रह चुके हैं। जबकि बीजेपी सिर्फ एक ही बार साल 2014 में चुनाव जीत पाई है। इस चुनाव में सपा और बसपा अलग-अलग चुनाव लड़े थे, और दोनों दलों को लगभग बराबर ही वोट मिले थे। पिछले लोकसभा चुनाव की बात की जाये तो साल 2019 में हुए आम चुनाव में सपा और बहुजन समाज पार्टी ने मिलकर चुनाव लड़ा था, जिसके बाद इस सीट से बसपा को आसानी से जीत मिल गई थी। लेकिन इस बार सपा और बसपा अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं वहीं तीसरी पार्टी के तौर पर चंद्रशेखर आजाद भी ताल ठोंक रहे हैं। ऐसे में दलित मुस्लिम वोटर्स तीन उम्मीदवारों के बीच सपा के मनोज कुमार, बसपा के सुरेंद्र पाल सिंह और चंद्रशेखर आजाद के बीच बंटे हुए दिख रहे हैं। चंद्रशेखर आजाद का दावा है कि उनकी पार्टी पिछले एक साल से इस सीट पर मेहनत कर रही है। चुनाव को ऐलान होने के बाद से खुद आजाद ने भी पूरा दम लगाया हुआ है। वो घर-घर जाकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। बड़ों के पैर छूकर और महिलाओं के हाथ जोड़कर उनका समर्थन मांग रहे हैं जाहिर है कि वो बड़े स्तर पर सपा-बसपा के वोटों में सेंध लगाने को तैयार हैं। चंद्रशेखर आजाद पर पिछले दरवाजे से बीजेपी के साथ मिले होने का आरोप भी लग रहे हैं। लेकिन आजाद का कहना है कि उन्होंने गोलियां खाईं हैं और बीजेपी का विरोध करने की वजह से वो जेल भी गए हैं। इसलिए उन्हें लेकर ऐसी बातें करना बेमानी है। आजाद ने बसपा नेता आकाश आनंद के चुनाव प्रचार में उतरने पर कहा कि वो मुंह में चांदी की चम्मच लेकर पैदा हुए हैं।

उन्हें अभी बहुत कुछ सीखना है। चंद्रशेखर आजाद ने नगीना सीट से पहले ही चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया था, जिसके बाद माना जा रहा था कि इंडिया गठबंधन में उन्हें शामिल किया जा सकता है लेकिन बाद में सपा अध्यक्ष से उनकी बातचीत टूट गई। जिसके बाद चंद्रशेखर आजाद अकेले ही मैदान में कूद गए हैं। वहीं इस सीट पर दलित-मुस्लिम वोट बंटने से इसका सीधा फायदा बीजेपी को होगा और अब बीजेपी यहां मजबूत स्थिति में पहुंच गई है।